केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

मनुष्य भी बहुत विशेष है, किसी को पसंद करें, तो उसके दोषों को नहीं देखता.. और किसी को न चाहे तो उसके'गुणों' को नहीं देखता..

वर्ष : 17 अंक : 25 | उज्जैन, रविवार 05 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

खनिज संपदा और निवेश से प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत मिशन को नई गति दे रहा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बैतूल से आलीराजपुर तक ग्रेफाइट के भण्डार, प्रदेश बन रहा देश का क्रिटिकल मिनरल हब

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खनिज संपदा की प्रचुरता और निवेश अनुकूल नीतियों से मध्यप्रदेश देश की औद्योगिक प्रगति में अहम भूमिका निभा रहा है। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत मिशन को भी बल मिलेगा। बैतूल से आलीराजपुर तक फैली खनिज बेल्ट में उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के विशाल भंडार मिलने से प्रदेश देश के उभरते क्रिटिकल मिनरल हब के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। इस बेल्ट में हाई फिक्स्ड कार्बन और उत्कृष्ट फ्लेकी गुणवत्ता वाला ग्रेफाइट पाया गया है। इसे इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह खोज मध्यप्रदेश को भविष्य की हरित अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनाने के साथ देश को हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उच्च गुणवत्ता वाला ग्रेफाइट, औद्योगिक विकास का नया आधार- प्रदेश ग्रेफाइट संसाधनों में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश के बैतूल, आलीराजपुर और सीधी जिलों में उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के विशाल भंडार चिन्हित किए गए हैं। इन क्षेत्रों से प्राप्त ग्रेफाइट में उच्च स्थिर कार्बन की मात्रा होने के कारण यह इलेक्ट्रोड निर्माण, बैटरी उद्योग तथा अन्य उच्च तकनीकी औद्योगिक उपयोगों के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है।

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने अकेले बैतूल जिले में लगभग 11 मिलियन मीट्रिक टन ग्रेफाइट संसाधनों का अनुमान लगाया है। बैतूल जिले के चिखलार, गौठाना और गोलीघाट क्षेत्र प्रमुख ग्रेफाइट ब्लॉकों के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

कोल इंडिया के प्रवेश से व्यावसायिक खनन को मिलेगी गति- प्रदेश में ग्रेफाइट खनन के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन तब आया जब सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड ने गैर-कोयला खनन क्षेत्र में प्रवेश करते हुए आलीराजपुर जिले के खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक का अधिग्रहण किया। इससे प्रदेश में बड़े स्तर पर व्यावसायिक ग्रेफाइट खनन का मार्ग प्रशस्त हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार बैतूल क्षेत्र के ग्रेफाइट शिस्ट में वेनेडियम जैसे महत्वपूर्ण क्रिटिकल मिनरल मिलने की भी संभावना है। इससे यह क्षेत्र देश के सबसे महत्वपूर्ण बहु-खनिज क्षेत्रों में शामिल हो जाएगा।

ईवी क्रांति का बनेगा सशक्त आधार- ग्रेफाइट लिथियम-आयन बैटरियों के एनोड निर्माण का प्रमुख कच्चा माल है। विश्वभर में इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की बढ़ती मांग के कारण इसकी आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में मिल रहा उच्च गुणवत्ता वाला ग्रेफाइट ईवी उद्योग को गति देगा, ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं को सशक्त बनायेगा और पवन एवं सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बैटरी निर्माण में सहायक बनेगा। इसके साथ ही रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों को भी घरेलू स्तर पर कच्चा माल उपलब्ध कराएगा। इसके परिणाम स्वरूप ग्रेफाइट के आयात पर देश की निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आएगी।

वर्तमान में भारत अपनी ग्रेफाइट आवश्यकताओं का अधिकांश आयात करता है। मध्यप्रदेश में बड़े स्तर पर खनन प्रारंभ होने से आयात पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा विदेशी मुद्रा की बचत होगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी नई मजबूती प्रदान करेगी।

बैतूल, आलीराजपुर तथा आस-पास के आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्रों में ग्रेफाइट आधारित उद्योगों, प्रसंस्करण इकाइयों तथा रिफाइनरी परियोजनाओं की स्थापना से स्थानीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। इससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

प्रदेश में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के कारण कम लागत पर खनन संभव होगा। इसके साथ ही राज्य में कम लागत वाले इलेक्ट्रोड निर्माण उद्योग विकसित किए जा सकेंगे। इससे प्रदेश राष्ट्रीय बैटरी एवं इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र (ईकोसिस्टम) में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

हर साल एक ही कहानी... मुंबई के लोगों के लिए आफत क्यों बन जाता है मानसून?

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाई यह तो हर का साल का है, अंधेरी सबवे तो बंद होगा ही मुंबई के लोग मौसम की पहली जोरदार बारिश होने पर भी ज्यादा परेशान नहीं होते। सोशल मीडिया पर सड़कों पर पानी भरने, यात्रियों के फंसने और लोकल ट्रेनों के देर से चलने के बारे में मीम्स की बाढ़ आ जाती है। ऑफिस वॉट्सऐप ग्रुप्स में वर्क फ्रॉम होम के विकल्पों पर चर्चा शुरू हो जाती है। नेविगेशन ऐप्स पर सड़कें लाल दिखने लगती हैं। लेकिन इस मजाक के पीछे एक परेशान करने वाली सच्चाई भी है। कहते हैं कि अगर आप घर पर हैं तो बारिश मजा है, लेकिन अगर सड़क पर हैं तो सजा... मुंबईकरों को ये सजा हर साल भुगतनी पड़ती है। मुंबई के लिएस मानसून की पहली जोरदार बारिश सिर्फ मौसम की घटना नहीं है, यह धीरे-धीरे शहर की तैयारियों की सालाना परीक्षा बन गई है। लगभग हर साल, बारिश के पहले जोरदार दौर के साथ ही सड़कों और गाड़ियों पर पेड़ गिरने, दीवारें और बालकनियां ढहने, बिलजी का झटका लगने का खतरा, खुले मैनहोल, सबवे में पानी भरना और दुखद रूप से लोगों की जान जाने की खबरें आती हैं। इस साल भी कुछ अलग नहीं हुआ। मौसम की पहली व्यापक जोरदार बारिश के कुछ ही दिनों के भीतर, मुंबई में बारिश से जुड़ी कई दुखद घटनाएं हुईं। चेम्बूर में पेड़ गिरने से 11 साल के एक लड़के की मौत हो गई, जिससे इस बात पर गुस्सा फैल गया कि क्या मानसून से पहले उस पेड़ को खतरनाक के तौर पर पहचाना गया था। बाद में ब्ल्र्ष्ट ने घटना की जांच पूरी होने तक एक अधिकारी को सस्पेंड कर दिया। साकीनाका में एक और दुखद घटना हुई, जहां 55 साल का एक व्यक्ति बारिश के पानी में छिपे खुले मैनहोल में गिर गया और उसकी मौत हो गई। इसके बाद नगर निकाय ने लापरवाही के आरोप में चार अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। सांताक्रूज में, नगर निकाय के अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान अचानक पेड़ गिरने से आठ लोग घायल हो गए। इससे भारी बारिश के दौरान पुराने शहरी पेड़ों से होने वाले खतरे और अनिश्चितता का पता चलता है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस, दोनों पक्षों में समझौता कराने की कवायद

मथुरा/ जीएनएस। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह विवाद में शनिवार को में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर विशेष अदालत में सुलह वार्ता का प्रयास किया गया। मुस्लिम पक्ष सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं हुआ। हिंदू पक्ष की ओर से प्रस्ताव दिया गया कि मुस्लिम पक्ष विवादित ढांचा हटा ले, हम अन्य स्थान पर भूमि उपलब्ध कराएंगे। दोनों पक्षों के बीच सुलह न हो पाने की स्थिति में अब 21 से 23 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में लगने वाली विशेष अदालत में दोनों पक्षों की सुनवाई होगी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह मामले में अब तक 18 वाद दायर हो चुके हैं। इन सभी की सुनवाई इलाहाबाद हाई कोर्ट में चल रही है। पिछले दिनों कुछ लोगों ने सात विशेष अनुमति याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कीं। इसमें कहा गया था कि दोनों पक्षों में समझौता कराकर विवाद का निस्तारण किया जाए। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा में विशेष लोक अदालत में यह मामला स्थानांतरित किया और समझौते का प्रयास कराने को कहा। शनिवार को इस मामले में विशेष लोक अदालत में जज सुरेंद्र प्रसाद के न्यायालय में सुलह समझौते का प्रयास हुआ। हिंदू पक्ष की ओर से याचिकाकर्ता महेंद्र प्रताप सिंह, सुरेंद्र गुप्ता उनके सहयोगी प्रदीप श्रीवास्तव, महावीर प्रसाद के अलावा अन्य याचिकाकर्ता कौशल किशोर, अजय प्रताप सिंह और श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट भी उपस्थित रहा। शाही मस्जिद ईदगाह पक्ष की ओर से कोई भी यहां उपस्थित नहीं हुआ।

सूखे की आशंका वाले जिलों पर केंद्र ने बढ़ाई निगरानी, फसल बीमा-कृषि ऋण व आकस्मिक योजना पर फोकस

नई दिल्ली/ जीएनएस। खरीफ सीजन के बीच वर्षा की कमी वाले 262 जिलों पर केंद्र सरकार ने निगरानी तेज कर दी है। हालात की गंभीरता को समझते हुए शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उच्चस्तरीय समीक्षा की। अलनीनो के असर की आशंका के बीच कृषि मंत्रालय की तैयारियों को परखा।

यदि लंबे समय तक पर्याप्त वर्षा नहीं हुई तो प्रभावित क्षेत्रों में समय पर कृषि ऋण और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ सुनिश्चित करने एवं जिला स्तर पर तैयार आकस्मिक योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का प्रबंध करने पर जोर दिया गया। कृषि मंत्रालय का आकलन है कि यदि आने वाले दिनों

में बारिश का लंबा अंतराल बना रहा तो खरीफ फसलों पर दबाव बढ़ सकता है।

गृह मंत्री के साथ बैठक के पहले शिवराज सिंह चौहान ने कृषि मंत्रालय के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि कम वर्षा वाले संभावित 262 जिलों में से 52 जिलों में हाल की बारिश से स्थिति में सुधार आया है, लेकिन 210 जिले अब भी वर्षा की कमी से जूझ रहे हैं। इनमें आठ जिले तो ऐसे हैं, जहां अब तक सामान्य बारिश भी नहीं हुई है। इस कारण फसल की स्थिति, नमी एवं मौसम के बदलते रुझानों की निगरानी बढ़ा दी है। अलनीनो की संभावित स्थिति पर भी लगातार नजर रखी जा रही है। जिन राज्यों में वर्षा की कमी अधिक है, वहां के मुख्यमंत्रियों के साथ अलग से बैठक कर तैयारियों और राहत उपायों की समीक्षा की जाएगी। जिला स्तर पर वैकल्पिक फसल, दोबारा बुवाई और अन्य कृषि उपायों को लागू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

इथेनोल मिक्स पेट्रोल से कितना घट जाता है माइलेज, क्या खराब हो जाती हैं गाड़ियां? एक्सपर्ट्स ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। देशभर में ई20 (20 फीसद इथेनोल मिश्रित पेट्रोल) को लेकर वाहन मालिकों की लगातार आ रही शिकायतों के बाद सरकार की तरफ से कुछ स्पष्टीकरण आने शुरू हुए हैं।

सोशल मीडिया और आम जनता से सैकड़ों शिकायतें आने के बाद शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में यह स्वीकार किया गया कि इथेनोल वाले ईंधन से वाहनों का माइलेज घटता है।

E20 इथेनोल मिश्रित पेट्रोल से माइलेज में गिरावट- देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी के सीनियर एक्जीक्यूटिव ऑफिसर राहुल भारती (कॉर्पोरेट अफेयर्स) ने बताया कि कारों की माइलेज तीन फीसदी तक कम हो सकती है।

वहीं पुणे स्थित आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआइ) के निदेशक डा. रेजी माथाई ने दो से छह फीसदी तक माइलेज गिरावट की पुष्टि की।

परिसीमन बिल की गहमागहमी के बीच बुलाया गया संसद का मानसून सत्र, क्या सरकार के पास है पूर्ण बहुमत?

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में दो तिहाई बहुमत का जुगाड़ करने के सियासी दांव-पेंच के बीच सरकार ने 20 जुलाई से 13 अगस्त के बीच संसद का मानसून सत्र बुलाने का एलान कर दिया है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद होने वाले इस सत्र को लेकर राजनीतिक गहमागहमी पहले से ही शुरू हो गई है क्योंकि सरकार महिला आरक्षण तथा परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन बिल दुबारा लाने की तैयारी में जुटी हुई है। शिवसेना यूबीटी के नौ में से छह सांसदों के पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने तथा तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सांसदों के टूट कर अलग गुट बनाने तथा भाजपा-एनडीए सरकार का समर्थन करने के एलान के बाद मानसून सत्र में नए सिरे से परिसीमन बिल लाए जाने की चर्चाएं गरम है।

सरकार की ओर से भी इस बारे में साफ संकेत दिए गए हैं कि दो तिहाई बहुमत के आस-पास पहुंचने की स्थिति में परिसीमन बिल को पारित कराने की कोशिश की जाएगी।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने शनिवार को एक्स पोस्ट पर सत्र की तारीखों का एलान करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों को मानसून सत्र 2026 के लिए बुलाने की मंजूरी दे दी है। 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलने वाले इस सत्र में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे। मानसून सत्र परिसीमन बिल के संदर्भ में निर्णायक हो सकता है और कुछ दिन पहले रिजीजू ने भी इस संदर्भ में सरकार के आगे बढ़ाने के इरादे जाहिर किए थे।

स्टॉक बढ़ाकर प्याज की महंगाई रोकने की तैयारी, सरकार ने बढ़ाया खरीद मूल्य

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्याज की बढ़ती कीमतों के बीच सरकार ने बाजार पर निगरानी कड़ी कर दी है। मूल्य नियंत्रण के उपाय किए जा रहे हैं।

किसानों को बेहतर दाम दिलाने के लिए खरीद मूल्य में 13 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है। साथ ही बफर स्टॉक को भी समृद्ध किया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर बाजार में पर्याप्त प्याज उपलब्ध कराया जा सके।

इसी रणनीति के तहत सरकार ने मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के अंतर्गत राष्ट्रीय प्याज बफर स्टॉक के लिए खरीद मूल्य 1,875 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। नई दर शनिवार से लागू हो गई है।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे का कहना है कि उत्पादन, खरीद और बाजार की स्थिति पर सरकार लगातार नजर बनाए हुए है ताकि किसानों को उचित दाम मिले और उपभोक्ताओं को भी प्याज की बढ़ती कीमतों से राहत मिल सके। खरीद मूल्य में बढ़ोतरी से किसानों को बेहतर दाम मिलेगा। साथ ही बफर स्टाक भी मजबूत होगा। बफर स्टॉक की खरीद अभी धीमी रहने के चलते सरकार ने इस सीजन में खरीद मूल्य तीन बार बढ़ाया है। अब आगे बढ़ोतरी की जरूरत नहीं है, क्योंकि इससे कुछ व्यापारी कृत्रिम रूप से कीमतें बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं। इस वर्ष दो लाख टन प्याज खरीदने का लक्ष्य रखा है, मगर अब तक केवल पांच हजार टन ही खरीदा जा सका है।

टेलीग्राम से हटेंगे पायरेटेड कंटेंट... सरकार ने 15 दिन में मांगी कार्रवाई की रिपोर्ट

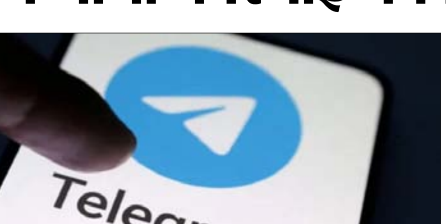

नई दिल्ली/ जीएनएस। दुबारा करायी गई नीट परीक्षा से ठीक पहले कुछ दिनों के लिए बैन लगाने के बाद सरकार ने अब लोक्रपिय मैसेजिंग एप टेलीग्राम को पायरेटेड कंटेट रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं।

सूचना प्रसारण मंत्रालय ने भारत में फिल्मों और ओटीटी कंटेंट की बड़े पैमाने पर हो रही पायरेसी रोकने के लिए टेलीग्राम को नोटिस जारी उसे 15 दिनों के अंदर इस समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया है। साथ ही सरकार ने टेलीग्राम से पायरेसी रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट भी मांगी है।

टेलीग्राम को पायरेटेड कंटेट रोकने के निर्देश- सरकारी सूत्रों के अनुसार टेलीग्राम एप पर कंटेट पायरेसी रोकना इस लिहाज से जरूरी है कि इससे भारतीय कंटेट क्रिएटर इकोनामी और फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ ब्रॉडकास्टर्स, ओटीटी प्लेटफॉर्म, प्रोड्यूसर्स तथा डिस्ट्रीब्यूटर्स के हितों की रक्षा की जा सके। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम को इस बारे में भेजे नोटिस में कहा है कि कॉपीराइट कानून का उल्लंघन न केवल एक सिविल उल्लंघन है बल्कि आपराधिक भी है। इसलिए कंपनी को पायरेसी रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के साथ ही सूचना प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम से 15 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि टेलीग्राम केवल इस बात का इंतजा नहीं कर सकता कि सरकार एक-एक करके पायरेसी वाले चैनल की पहचान करे।

पश्चिम एशिया संकट में दिखी भारत की कूटनीतिक शक्ति, बाड़मेर में रिफाइनरी के लोकार्पण पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के बाड़मेर जिले के पचपदरा में देश की नई रिफाइनरी का लोकार्पण किया।

79,459 करोड़ रुपये की लागत वाली इस रिफाइनरी सह पेट्रो रसायन परियोजना के शुभारंभ के अवसर पर उन्होंने पश्चिम एशिया के संकट के दौरान भारत की सफल कूटनीति का विस्तार से जिक्र किया और कहा कि भारत ने ऊर्जा संकट की सबसे बड़ी चुनौती को दूरदर्शी नीतियों, विविधीकरण और मजबूत कूटनीतिक संबंधों के बल पर पार किया, जिसमें आम नागरिकों पर न्यूनतम बोझ पड़ा।

दुनिया में हाहाकार के बीच भारत संकट से उबरा- पीएम मोदी ने कहा कि, पश्चिमी एशिया में युद्ध की वजह से पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है और इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया है।

पीएम ने आगे कहा, बड़े-बड़े देश आज ईंधन की किल्लत से जूझ रहे हैं। लेकिन भारत ने हर स्तर पर सही फैसले लिए, संकट का समय रहते सटीक आकलन किया, प्रभावी रणनीति बनाई, भारत के संसाधनों का संतुलित प्रयोग किया। भारत की कूटनीतिक पावर का सकारात्मक इस्तेमाल किया और तब जाकर भारत संकट से उबर पाया है।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) की उक्त ग्रीनफील्ड रिफाइनरी का उद्घाटन करने से पहले पीएम मोदी ने शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन भी किया और इस अवसर पर संशोधित उडान योजना की शुरुआत की।

जोधपुर पहुंचने पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, केंद्रीय मंत्री एवं जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया।

संशोधित उडान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के तहत अगले 10 वर्षों के लिए 28,840 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इससे देश के छोटे शहरों में हवाई कनेक्शन को मजबूत बनाने के लिए उचित इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण शहरों को हवाई कनेक्शन के लिए खास तौर पर चिन्हित किया गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि, जब संकट शुरू हुआ, तब भारत लगभग 25-26 देशों से ऊर्जा आयात कर रहा था। संकट के दौरान हमने इसे बढ़ाकर 40 से अधिक देशों तक पहुंचा दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इस संकट के दौरान वैश्विक तेल की कीमतों में उछाल आने से तेल कंपनियों को अप्रैल से जून के बीच 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ, लेकिन सरकार ने इसे जनता पर नहीं पड़ने दिया। हमने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये प्रति लीटर कम की और सुनिश्चित किया कि नागरिकों पर बोझ ज्यादा न बढ़े।

मास्टर प्लान सड़कों का निरीक्षण, आयुक्त ने बारिश रुकते ही 10 दिन में लिंक रोड पूरा करने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शनिवार को शहर में निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़कों का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि बारिश रुकते ही चंद्रभागा से हरसिद्धि पुल तक बनने वाले लिंक रोड का निर्माण कार्य 10 दिनों के भीतर पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगवंकर, कार्यपालन यंत्री ओ.पी. कुशवाह, नरेश जायसवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने चंद्रभागा से हरसिद्धि पुल लिंक रोड, नेमिनाथ मंदिर से जिंसी चौराहा होते हुए किला मैदान तिराहा तक, सुपर कॉरिडोर से एमआर-5 रोड सहित अन्य मास्टर प्लान सड़क निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति, यातायात प्रबंधन तथा वर्षा ऋतु के दौरान अपनाई जा रही सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त ने नेमिनाथ मंदिर से जिंसी चौराहा तथा किला मैदान तिराहा से जिंसी चौराहा तक निर्माणाधीन सिंगल रोड को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नेमिनाथ चौराहा से जिंसी चौराहा तक एक टीम और किला मैदान तिराहा से जिंसी चौराहा तक दूसरी टीम लगाकर सड़क के दोनों ओर तेजी से निर्माण कार्य कराया जाए, ताकि परियोजना समय पर पूरी हो सके।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सड़क निर्माण में बाधा बन रहे विद्युत पोलों को जल्द से जल्द शिफ्ट करने के भी निर्देश दिए। साथ ही निर्माण एजेंसियों को वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी निर्माण स्थलों पर बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे आम नागरिकों और वाहन चालकों को किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना का सामना न करना पड़े।

भाजपा का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आज, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे संबोधित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित संस्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार, 5 जुलाई को जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन दोपहर 3 बजे मदन मोहन मेहता ऑडिटोरियम, संगीत कला अकादमी, स्कीम नंबर-78 स्थित अटल खेल परिसर के पास होगा। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा तथा महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा और कैलाश पीपले ने बताया कि सम्मेलन को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम वर्मा तथा भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार संबोधित करेंगे। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि संगठन द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती वर्ष पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाई जा रही है। इसी श्रृंखला में आयोजित इस जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में बूथ समितियों एवं मंडल स्तर के सक्रिय कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और उनके राष्ट्रवादी विचारों को कार्यकर्ताओं के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना है। सम्मेलन में संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा होगी तथा कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को लेकर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मध्यप्रदेश में हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की सराहना की

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने आज इंदौर में आयोजित एक गरिमामय समारोह में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से सीधा संवाद करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एवं मतदाता सूची के परिशोधन का कार्य अत्यंत पारदर्शी, सुलभ और व्यवस्थित तरीके से संपन्न किया है। उन्होंने कहा कि जिस दक्षता और पारदर्शिता के साथ यह कार्य मध्यप्रदेश में हुआ है, वैसा उदाहरण देश के अन्य राज्यों में दुर्लभ है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व की सबसे पारदर्शी और विश्वसनीय प्रक्रियाओं में से एक है। मतदाता सूची निर्माण से लेकर मतदान और मतगणना तक प्रत्येक चरण में राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने कहा कि इसी पारदर्शिता और दक्षता के कारण भारत आज विश्व के 35 प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के संगठन इंटरनेशनल आइडिया की 2026 की अध्यक्षता कर रहा है।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राम प्रताप सिंह जादौन, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा भी विशेष रूप से मौजूद थे।

डीम्ड स्वीकृति वाले भवनों की जांच तेज, पांच कंसल्टेंट और इंजीनियरों के लाइसेंस निरस्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम इंदौर ने शहर में भवन निर्माण स्वीकृति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नियमसम्मत बनाने के उद्देश्य से डीम्ड (तत्काल) स्वीकृति प्राप्त भवनों की व्यापक जांच शुरू कर दी है। जांच में प्रथम दृष्टया अनियमितताएं पाए जाने पर पांच कंसल्टेंट एवं इंजीनियरों के लाइसेंस निरस्त कर उन्हें नगर निगम इंदौर में कार्य करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल एवं अपर आयुक्त प्रखर सिंह के निर्देश पर संबंधित टीम डीम्ड स्वीकृति के माध्यम से अनुमति प्राप्त सभी भवनों के प्रकरणों की जांच कर रही है। इस दौरान भवनों की स्वीकृति, प्रस्तुत दस्तावेजों, मानचित्रों तथा निर्माण की वैधानिक स्थिति का परीक्षण किया जा रहा है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि संबंधित कंसल्टेंट और इंजीनियरों ने भवन निर्माण उपविधियों एवं निर्धारित नियमों का पालन किया है या नहीं। जांच में जिन मामलों में गलत जानकारी देकर या नियमों का उल्लंघन कर स्वीकृति प्राप्त करने के तथ्य सामने आए हैं, उनमें संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में प्रथम दृष्टया अनियमितताएं पाए जाने पर भरत पांचाल, राहुल शर्मा, योगेश जैन, देवेंद्र पटेल और आशुतोष सांखला के लाइसेंस निरस्त कर उन्हें नगर निगम इंदौर में कार्य करने से प्रतिबंधित किया गया है।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भवन स्वीकृति प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही, गलत जानकारी या नियमों के उल्लंघन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगम ने कहा है कि जांच अभियान लगातार जारी रहेगा और भविष्य में भी दोषी पाए जाने वाले कंसल्टेंट, इंजीनियर या अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सिटी फॉरेस्ट के सहायक प्रभारी मितुल सोनी निलंबित, लकड़ी बेचने के मामले में विभागीय जांच के आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सिटी फॉरेस्ट में पदस्थ सहायक प्रभारी मितुल सोनी (मूल पद- स्वच्छता निरीक्षक) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निगम अधिपत्य की लकड़ी बेचने में कथित संलिप्तता के चलते निगम को वित्तीय क्षति पहुंचाने के आरोप में उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। नगर निगम के अनुसार, सिटी फॉरेस्ट से निगम की लकड़ी बेचे जाने संबंधी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। मामले को लेकर मीडिया में भी समाचार प्रसारित हुए, जिनमें सहायक प्रभारी मितुल सोनी की कथित संलिप्तता सामने आई। निगम प्रशासन ने इसे गंभीर कदाचार और प्रथम दृष्टया भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला माना है। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि पद का दुरुपयोग कर निगम के हितों के प्रतिकूल कार्य करना तथा सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग के आरोप मध्य प्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के प्रावधानों के विपरीत हैं। इसी आधार पर मितुल सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए पूरे मामले की विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर से 60 किमी दूर है कृतेश्वर महादेव गुफा, रहस्य, रोमांच और आस्था की त्रिवेणी में घूमने का मजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्या कभी आपने शहर के पास ऐसा स्थान देखा है जहां प्रकृति का सौंदर्य, आस्था का सागर, रोमांच का साथ और रहस्य को जानने की उत्सुकता हो। वह स्थान जहां भक्त भी पहुंचते हैं और सैर-सपाटे के शौकीन भी। जहां निर्मल नदी भी बहती है और विशाल पहाड़ भी हैं। जहां गांव भी बसा है और निर्जन वन भी। कच्चे-पक्के घर भी बने हैं तो लंबी गुफा भी है।

और तो और यह स्थान शहर से बहुत दूर भी नहीं है तो ज्यादा नजदीक भी नहीं। मतलब रहस्य, रोमांच और आस्था का यहां अद्भुत संगम है जो पर्यटन प्रेमियों के आनंद को कई गुना बढ़ा देता है।

शहर से करीब 60 किमी दूर कृतेश्वर महादेव गुफा एक ऐसा स्थान है जहां इस बार आप दोस्तों, परिवार के साथ पिकनिक पर जा सकते हैं। यूं तो यहां वर्षभर में कभी भी जाया जा सकता है पर वर्षा के शुरुआती दौर व सर्दी के मौसम में यहां का सौंदर्य और निखर उठता है। जैसा कि इसके नाम से ही पता चलता है यह स्थान भगवान शिव को समर्पित है। यह स्थान शहर से करीब 60 किमी दूर है। यहां जाने के लिए आपको खंडवारोड की ओर रुख करना होगा। सिमरोल, चोरल पार करने के बाद बलवाड़ा गांव आता है। इस गांव से एक-दो किमी आगे बायीं ओर मुड़ना होगा। यह रास्ता आपको रामकुला गांव लेकर जाएगा। रामकुला गांव से दो-तीन किमी दूर कृतेश्वर महादेव गुफा बनी हुई है।

ट्रैवल टेल्स इंदौर के सीए मयंक घाटिया बताते हैं कि इस स्थान की दूरी शहर से करीब 60 किमी है पर रास्ता इतना खूबसूरत है कि सफर कब पूरा हो जाता है पता ही नहीं चलता। कृतेश्वर महादेव गुफा किसने और कब बनाई इसका कोई प्रमाण यहां नहीं है। गुफा में शिवलिंग स्थापित है। गुफा करीब 100 फीट लंबी है पर इसमें प्रवेश झुककर या घुटने के बल बैठकर ही किया जा सकता है।

अब साइबर ठगी सिर्फ मोबाइल तक ही नहीं, ई-वाहनों तक भी पहुंची

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराध अब केवल बैंक खाते, यूपीआई और मोबाइल फोन तक सीमित नहीं रहा। इंटरनेट और ब्लूटूथ आधारित स्मार्ट इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बढ़ते उपयोग के साथ अब साइबर ठगों की नजर ई-वाहनों पर भी है।

उज्जैन और ग्वालियर समेत देश के कई शहरों में ई-रिक्शा के बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) से कथित छेड़छाड़ कर वाहन रोकने और चालकों से रुपये वसूलने जैसे मामले सामने आने के बाद ई-वाहनों की साइबर सुरक्षा पर गंभीर बहस शुरू हो गई है। इस बीच केंद्र सरकार ने बीएटी-बीएमएस जैसे मोबाइल एप को ऐप स्टोर से हटाने की कार्रवाई की है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इससे खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होगा। असली चुनौती ई-वाहनों के डिजिटल सिस्टम को सुरक्षित बनाने की है। बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन का डिजिटल कंट्रोल सेंटर होता है। यह बैटरी का तापमान, वोल्टेज, चार्जिंग, डिस्चार्जिंग और प्रत्येक सेल की कार्यप्रणाली पर नजर रखता है। कई आधुनिक ई-रिक्शा, दोपहिया और अन्य ई-वाहनों में यह सिस्टम ब्लूटूथ और मोबाइल एप से जुड़ा होता है, जिससे चालक मोबाइल पर बैटरी की स्थिति देख सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि इस सिस्टम में मजबूत पासवर्ड, एन्क्रिप्शन और सुरक्षित ऑथेंटिकेशन नहीं हो तो ब्लूटूथ रेंज (करीब 10 से 15 मीटर) में मौजूद कोई व्यक्ति उससे जुड़ने का प्रयास कर सकता है। यदि उसे एक्सेस मिल जाए तो बैटरी की डिस्चार्ज सेटिंग बदलकर वाहन को रोकना या उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित करना संभव हो सकता है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ, रेवती रेंज पहाड़ी पर लगाए गए 21 हजार पौधे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर संचालित एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत इंदौर में वर्ष 2026 के व्यापक पौधारोपण अभियान की शुरुआत शनिवार को उत्साहपूर्वक की गई। पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और स्वच्छ इंदौर के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में रेवती रेंज पहाड़ी पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के 21 हजार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संदेश दिया।

जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि श्रीमती आशा विजयवर्गीय के जन्मदिवस के अवसर पर आशा एसोसिएशन फॉर सेल्फ हेल्प एक्शंस, इंदौर के सहयोग से निर्मित नवीन बहुउद्देशीय हॉल का भी लोकार्पण किया गया। उन्होंने कहा कि यह हॉल भविष्य में पर्यटन और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। प्राकृतिक हरियाली से आच्छादित रेवती रेंज पहाड़ी पर आने वाले पर्यटक और नागरिक इस हॉल का उपयोग विभिन्न आयोजनों के लिए कर सकेंगे। हॉल में आधुनिक किचन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे आगंतुक प्रकृति के बीच समय बिताते हुए भोजन तैयार कर सकेंगे।

कार्यक्रम के दौरान रेवती स्थित कन्या आवासीय विद्यालय प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ में छात्राओं के साथ भी पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षों के महत्व की जानकारी देते हुए प्रत्येक व्यक्ति से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करने का आह्वान किया। छात्राओं ने भी पौधारोपण कर हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में विधायक रमेश मैंदोला, जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, विद्यालय की छात्राएं और बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

भमोरी क्षेत्र का निरीक्षण कर महापौर ने दिए निर्देश, जलभराव वाले क्षेत्रों में पहले से करें प्रभावी इंतजाम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शनिवार को शहर में बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भमोरी क्षेत्र का दौरा कर पूर्व में दिए गए निर्देशों के पालन की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर हर वर्ष जलभराव की समस्या होती है, वहां पहले से प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

महापौर ने कहा कि सभी अपर आयुक्त, जोनल अधिकारियों और निगम अमले को पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बारिश के दौरान किसी भी क्षेत्र में नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए और जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रखी जाए।

निरीक्षण के दौरान भमोरी क्षेत्र के रहवासियों ने बताया कि पहले तेज बारिश के बाद दो से ढाई घंटे तक पानी भरा रहता था, लेकिन इस बार नगर निगम द्वारा कराए गए सुधार कार्यों के कारण बारिश का पानी तेजी से निकल गया और स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। इस पर महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां अभी भी कुछ कार्य शेष हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए।

महापौर ने ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र का भी निरीक्षण किया और जल निकासी में बाधा बन रहे अवरोधों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए, ताकि बारिश के दौरान पानी का बहाव प्रभावित न हो और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि नगर निगम का पूरा अमला लगातार मैदान में रहकर कार्य कर रहा है। कंट्रोल रूम के माध्यम से भी अधिकारियों को नियमित दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। निगम का प्रयास है कि बारिश के दौरान शहर के किसी भी हिस्से में जलभराव या अन्य समस्याओं से नागरिकों को परेशानी न हो।

सिंहस्थ 2028 के बाद होगा इंदौर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास, बनेगा 18 मीटर चौड़ा छह लेन शास्त्री ओवरब्रिज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए इंदौर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास एवं शास्त्री ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की कार्ययोजना चरणबद्ध तरीके से तैयार की है। रेलवे के अनुसार, शास्त्री ओवरब्रिज के पुनर्निर्माण, यार्ड रिमॉडलिंग और स्टेशन पुनर्विकास से जुड़े प्रमुख निर्माण कार्य सिंहस्थ-2028 के बाद शुरू किए जाएंगे, जबकि उससे पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इंदौर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित वर्तमान शास्त्री ओवरब्रिज करीब 70 वर्ष पुराना हो चुका है। इसकी कम चौड़ाई और पुरानी संरचना के कारण स्टेशन विस्तार, अतिरिक्त रेल लाइनों के विकास और आधुनिक रेलवे अधोसंरचना तैयार करने में तकनीकी बाधाएं आ रही हैं। इसके अलावा प्लेटफॉर्म और ट्रेनों के बीच अधिक गैप होने से यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है, जिसे यार्ड रिमॉडलिंग के माध्यम से कम किया जाएगा।

रेलवे बोर्ड ने 18 मीटर चौड़े छह लेन वाले नए शास्त्री ओवरब्रिज के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का निर्माण रेलवे अपने खर्च पर करेगा। नए ब्रिज के बनने से रेलवे स्टेशन के विस्तार, अतिरिक्त रेल लाइनों के विकास, यार्ड रिमॉडलिंग और भविष्य की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक अधोसंरचना विकसित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

रेलवे ने बताया कि सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए फिलहाल नगर निगम, विद्युत विभाग, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ उपयोगिता सेवाओं के स्थानांतरण (यूटिलिटी शिफ्टिंग), आवश्यक अनुमतियों और अन्य प्रारंभिक विभागीय कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा, ताकि सिंहस्थ के बाद मुख्य निर्माण कार्य बिना किसी विलंब के शुरू किए जा सकें।

मुनाफे का झांसा देकर लोगों से 3.10 करोड़ की बीसी-चिटफंड की ठगी करने वाले तीन कारोबारी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बीसी और चिटफंड के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में क्राइम ब्रांच ने तीन कारोबारियों को पकड़ा है। आरोपितों ने सुनियोजित तरीके से लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर 3 करोड़ 10 लाख रुपये हड़प लिए। मुख्य आरोपित नरेश पिपले उर्फ गुड्डू व्यायामशाला संचालक छोगालाल उस्ताद का पौता है। उसका परिवार भाजपा से भी जुड़ा हुआ है। नरेश आर्टिफिशियल ज्वेलरी कारोबार करता है।

डीसीपी (अपराध) राजेश त्रिपाठी के मुताबिक विकास धुलधोये, मनोज उर्फ कालू, अरुण बड़के, हरीश राजौरा, वीर सिंह अहिरवार, विजय दीवान, राजू पिपले, अनुराग बड़, विजेंद्र अहिरवार, मनोज राठौर और सूरज सोनी सहित 11 लोगों द्वारा धोखाधड़ी की शिकायत की थी। पुलिस ने जांच की और आरोपितों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में कायमी कर ली। डीसीपी के अनुसार गुरुवार रात पुलिस ने आरोपित नरेश पिपले उर्फ गुड्डू (आर्टिफिशियल ज्वेलरी कारोबारी) निवासी रामलक्ष्मण मार्केट खातीपुरा,, शोएब अब्बासी (जयपुरी चिड़ियों का व्यापारी) निवासी आशा पैलेस खजराना और कपिल गोलिया (फर्नीचर कारोबारी)निवासी सुभाष नगर (मल्हारगंज) को पकड़ लिया। डीसीपी के अनुसार वर्ष 2022 से 2024 के बीच अलग-अलग बीसी और चिटफंड योजनाएं संचालित कर रहे थे।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के दिए टिप्स

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस के सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शर्मा एकेडमी कोचिंग क्लास में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) मयंक अवस्थी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग रहना भी आज के समय की बड़ी आवश्यकता है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-4 सुनील कुमार मेहता, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-4 दिशेष अग्रवाल तथा सहायक पुलिस आयुक्त जूनी इंदौर विजय चौधरी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया फ्रॉड, ओटीपी साझा करने के खतरे, साइबर बुलिंग और अन्य साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी ने कहा कि इंटरनेट और सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या संदेश पर बिना सत्यापन के भरोसा न करें। साथ ही किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई और उनसे अपील की गई कि वे स्वयं जागरूक बनने के साथ अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने सरल और व्यवहारिक तरीके से समाधान कर उन्हें सुरक्षित डिजिटल जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

मलेरिया, डेंगू व चिकनगुनिया बीमारियों की रोकथाम हेतु मंदसौर और नीमच जिले का संयुक्त प्रशिक्षण संपन्न

जलभराव रोकने, लार्वा नष्ट करने और त्वरित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. दीपा पाठक ने बताया कि वर्षा ऋतु के प्रारंभ होते ही मच्छर एवं अन्य वाहकों से जनित बीमारियों के फैलने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए, राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और जापानी इंसेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारियों के नियंत्रण एवं प्रभावी प्रबंधन हेतु एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आईपीपीएस ट्रेनिंग सेंटर में किया गया। इस वर्ष वाहक जनित बीमारियों के पूर्ण नियंत्रण और शून्य मृत्यु दर के लक्ष्य को लेकर आयोजित इस संयुक्त प्रशिक्षण में मंदसौर और नीमच जिले के जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ता को प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य अमले को विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न बीमारियों की बारीकियों से अवगत कराया गया।

मास्टर ट्रेनर के रूप में उज्जैन जिला मलेरिया अधिकारी दिनेश्वर सिसोदिया ने डेंगू एवं जापानी इंसेफेलाइटिस के कारण, लक्षण और उसके रोकथाम के वैज्ञानिक उपायों पर अपना विस्तृत व्याख्यान दिया। नीमच जिले के जिला मलेरिया अधिकारी अल्पेश वारिया द्वारा मलेरिया एवं फाइलेरिया (हाथीपांव) के प्रभावी प्रबंधन, मरीजों की पहचान और उपचार प्रोटोकॉल के बारे में विस्तार से समझाया गया। मंदसौर जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. दीपा पाठक ने सभी प्रकार की वाहक जनित बीमारियों की समग्र जानकारी देते हुए उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों और क्षेत्र में बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर प्रकाश डाला गया। क्षेत्र में बीमारियों के सर्वे और रोकथाम की मुख्य जिम्मेदारी जमीनी कार्यकर्ताओं की होती है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, इस प्रशिक्षण बैठक में मंदसौर एवं नीमच जिले के सभी सुपरवाइजर, एम.पी.डब्ल्यू, ए.एन.एम. और मलेरिया इंस्पेक्टर विशेष रूप से सम्मिलित रहे। सभी प्रतिभागियों को वर्षा काल के दौरान जलभराव रोकने, लार्वा नष्ट करने और त्वरित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों और ऑटो चालकों की समस्या का समाधान, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल ने लिया संज्ञान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों और ऑटो चालकों को हो रही परेशानियों का भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं जेडआरयूसीसी सदस्य गौरव अग्रवाल ने संज्ञान लिया। सोशल मीडिया पर एक बुजुर्ग महिला को स्टेशन पर उतरने में हो रही परेशानी का वीडियो सामने आने के बाद वे रेलवे स्टेशन पहुंचे और अधिकारियों से चर्चा कर समस्या के समाधान की पहल की। गौरव अग्रवाल ने भाजपा मंडल उपाध्यक्ष निरांत बग्गा और पार्षद ईश्वरसिंह चौहान के साथ स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे के स्थानीय अधिकारियों के साथ मौके पर चर्चा की तथा वरिष्ठ अधिकारियों से भी मोबाइल पर बात कर यात्रियों को हो रही असुविधा से अवगत कराया। इसके बाद अधिकारियों ने रास्ते में आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। निरीक्षण के दौरान ऑटो चालकों की समस्या भी सामने आई। जानकारी मिली कि उन्हें गेट नंबर-2 तक जाने की अनुमति नहीं दी जा रही थी। इसके कारण यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों और महिलाओं को लंबी दूरी पैदल तय कर ऑटो तक पहुंचना पड़ रहा था। इस संबंध में गौरव अग्रवाल ने जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की। अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्णय लिया कि ट्रेन के आगमन के समय ऑटो चालकों को गेट नंबर-2 तक आने की अनुमति रहेगी। साथ ही व्यवस्था बनाए रखने के लिए जीआरपी जवानों की तैनाती के निर्देश भी दिए गए। इस निर्णय से यात्रियों को स्टेशन से बाहर निकलने में सुविधा मिलेगी और ऑटो चालकों को भी राहत मिलेगी।

रेडक्रॉस बना गंभीर मरीजों का संबल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में गंभीर बीमारी से जूझ रहे जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, नीमच द्वारा मानवीय संवेदनाओं के साथ लगातार आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को उपचार के लिए त्वरित सहायता स्वीकृत की जा रही है।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के अनुसार हाल ही में तीन जरूरतमंद मरीजों के उपचार हेतु कुल 70 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इनमें एक मरीज को उपचार के लिए 30 हजार रुपये, जबकि दो अन्य जरूरतमंद मरीजों को उपचार एवं आवश्यक दवाइयों के लिए 20-20 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, नीमच समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए संकट की घड़ी में संबल बनकर कार्य कर रही है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी जरूरतमंद मरीज उपचार से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से पात्र प्रकरणों में रेडक्रॉस के माध्यम से त्वरित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे पीड़ित परिवारों को समय पर राहत मिल सके।

बाढ़ तैयारी से लेकर खाद्य सुरक्षा तक हर मोर्चे पर अलर्ट रहें प्रशासनः कलेक्टर

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने शनिवार को आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में विभिन्न राजस्व प्रकरणों एवं विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने, राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता बनाए रखने तथा आमजन को त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बैठक में सभी राजस्व अधिकारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिवेदन, प्रस्ताव एवं शासकीय रिपोर्ट अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस के माध्यम से ही प्रेषित किए जाएं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि ई-ऑफिस प्रणाली से कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा प्रशासनिक कार्यों का त्वरित एवं सुव्यवस्थित निष्पादन सुनिश्चित होगा। उन्होंने अधिकारियों से इस व्यवस्था का शत-प्रतिशत पालन करने के निर्देश दिए। बैठक में भू-राजस्व, परिवर्तित भू-राजस्व, उपकर, शाला उपकर, प्रीमियम, भूभाटक सहित अन्य मदों की राजस्व वसूली की समीक्षा की गई। साथ ही राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों, एसडीएम एवं तहसील न्यायालयों में लंबित मामलों, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन तथा साइबर तहसील से जुड़े नामांतरण, तामीली और पटवारी रिपोर्ट की प्रगति पर चर्चा हुई।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने राहत राशि वितरण, संभावित बाढ़ से निपटने की पूर्व तैयारियों, फार्मर आईडी, फसल गिरदावरी, वन व्यवस्थापन, वन अधिकार अधिनियम के तहत निरस्त दावों के पुनः परीक्षण तथा वन राजस्व ग्रामों के समपरिवर्तन की समीक्षा भी की।

नाहरगढ़ में कांग्रेस नेता थप्पड़ मुद्दा : जिलाध्यक्ष महेन्द्र गुर्जर पहुंचे नाहरगढ़, कांग्रेस कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र गुर्जर शनिवार सुबह नाहरगढ़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील माली सहित कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर हाल ही में नाहरगढ़ थाने में हुई घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

श्री गुर्जर ने कहा कि अन्याय किसी भी व्यक्ति के साथ हो–चाहे वह कांग्रेस का कार्यकर्ता हो या कोई सामान्य नागरिक–कांग्रेस उसके विरुद्ध पूरी मजबूती के साथ आवाज़ उठाएगी। उन्होंने कहा कि संविधान की भावना के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को सम्मान और न्याय मिलना चाहिए तथा अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

श्री गुर्जर ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे समाज में होने वाले हर अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध एकजुट होकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज़ बुलंद करें। कांग्रेस सदैव जनहित, न्याय और संविधान के मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश धनगर फौजी, जिला पदाधिकारी बालेश्वर पाटीदार, समरथ गुर्जर, ओम प्रकाश राठौर, हरिओम मण्डलोई, तुलसीराम राठौर, पंकज बसेर, पंकज कटारिया, पंकज जाट, प्रकाश जाट, अयूब बक्श, ओम राठौर, नाहरु शाह, नाथूलाल चौधरी सहित स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नाहरगढ़ थाने में हुआ था हंगामा, एसएसआई के निलंबन की थी मांग- बता दें कि नाहरगढ़ थाना परिसर में शुक्रवार शाम पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया था। नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील माली के साथ कथित अभद्रता और थप्पड़ मारने के आरोप को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता थाने के बाहर धरने पर बैठ गए थे। जिला पंचायत सदस्य जगदीश धनगर फौजी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोषी सहायक उपनिरीक्षक कन्हैयालाल यादव को तत्काल निलंबित करने की मांग की, जबकि पुलिस ने आरोप निराधार बताए।

चंबल नल-जल योजना की घटिया कार्यप्रणाली बनी दुर्घटना का कारण, टू-लेन सड़क पर गहरा गड्ढा, हादसे का खतरा मंडराया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद- अठाना- सुखानंद टू-लेन सड़क मार्ग पर नगर परिषद के स्वागत द्वार के समीप सड़क पर बने बड़े गड्ढे ने राहगीरों और वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। बरसात के चलते यह गड्ढा और अधिक गहरा हो गया है, जिससे दिन-रात इस मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों छोटे-बड़े वाहनों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।

स्थानीय नागरिकों ओमप्रकाश धाकड़ प्रेमचंद के अनुसार इस समस्या की मुख्य वजह चंबल नल-जल योजना के तहत कार्य करने वाली निर्माण एजेंसी की लापरवाही और घटिया गुणवत्ता का निर्माण कार्य है। योजना के अंतर्गत सड़क की साइड खोदकर पाइपलाइन बिछाई गई थी, लेकिन बाद में सड़क की पिचिंग और भराव का कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं किया गया। परिणामस्वरूप पहली ही बरसात में साइड धंस गई और बड़ा गड्ढा बन गया।

गौरतलब है कि यह टू-लेन सड़क गत वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लोकार्पित की गई थी। सड़क अभी भी गारंटी अवधि में बताई जा रही है। ऐसे में नागरिकों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण एजेंसी या चंबल नल-जल योजना की निर्माण एजेंसी की लापरवाही से सड़क क्षतिग्रस्त हुई है, तो संबंधित एजेंसी से तत्काल मरम्मत कराई जाए और दोषी एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई भी की जाए।

रात्रि के समय यह गड्ढा वाहन चालकों को स्पष्ट दिखाई नहीं देता, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने और बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी की होगी। नगरवासियों गोविंद बैरागी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके का निरीक्षण कराया जाए, गड्ढे की मरम्मत कराई जाए तथा चंबल नल-जल योजना के अंतर्गत किए गए निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कर दोषी एजेंसी पर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही दोबारा न हो। शांतिलाल चौहान द्वारा।

स्वामी विवेकानंद के आदर्श युवा पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत : विधायक दिलीप सिंह परिहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युगदृष्टा, राष्ट्रऋषि एवं युवा प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि पर शनिवार को नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार ने प्रधानमंत्री उत्कृष्ट महाविद्यालय (पीजी कॉलेज) परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर विधायक श्री परिहार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन, उनके विचार एवं राष्ट्रसेवा का संदेश आज भी युवाओं को चरित्र निर्माण, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का अनुसरण कर ही सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प साकार किया जा सकता है।

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र भटनागर, कॉलेज जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विश्वदेव शर्मा, मंडल अध्यक्ष दारासिंह यादव, राजेश बैरागी, लोकेश चांगल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक अमन बैरागी, नगर मंत्री शुभम बागड़ी, खेलो भारत के प्रमुख जतिन शर्मा सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों पर चलकर राष्ट्र एवं समाज की सेवा करने के संकल्प के साथ हुआ।

जख्म दे रहीं जर्जर सड़क, दर्द दे रहे जिम्मेदार, गद्दों में जा बसा झांतला पाटन सड़क मार्ग - मनीष जैन कांग्रेस नेता

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झांतला से नीमच -सिंगोली मार्ग को जाने वाली 5 किलोमीटर लंबी सड़क की हालत जर्जर है। मरम्मत के अभाव में खस्ताहाल होने के कारण सड़कों पर राह गुजरना मुश्किल भरा होता जा रहा है। सड़क का आलम यह है कि, सड़क पर गड्ढे क्या गद्दों में पूरी सड़क तब्दील हो गयी

ऐसी जर्जर सड़क पर बस से या अन्य वाहनों से चलना राहगीरों के लिए काफी कष्टदायक हो रहा है।

कांग्रेस के कद्दावर नेता एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मनीष कुमार जैन ने बताया कि झांतला -पाटन सड़क मार्ग वर्तमान में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है और जगह जगह इतने गहरे गड्ढे बन गये है कि सड़क पर डामर का नामो निशान तक मिट गया। स्थिति यह है कि यह मुख्य मार्ग अब वाहन चलाना तो दूर पैदल चलने योग्य भी नही रहा है।

श्री जैन ने कहा कि उक्त जर्जर सड़क मार्ग से प्रतिदिन हजारों ग्रामीणों , स्कूली छात्र छात्राओं , किसानों और व्यापारियों का आवागमन होता है। लेकिन अफसोस सड़क की जर्जर हालत के कारण आये दिन वाहन चालक एवं पैदल चलते राहगीर भी चोटिल हो रहे है।

श्री जैन ने बड़ा अफसोस जाहिर करते हुए बताया कि सबसे विकट स्थिति मरीजो ओर गर्भवती महिलाओं की होती है जिन्हें अस्पताल ले जाते समय एम्बुलेंस को भारी मशक्कत करनी पड़ती है।

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्री जैन ने शासन प्रशासन से सड़क के नवनिर्माण की मांग रखते हुए बताया कि सड़क पर गहरे गड्ढे के कारण आये दिन दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे है दूसरी ओर बरसात के समय गद्दों में पानी भर जाने से गहराई का अंदाजा नही मिल पाता जो यह जानलेवा साबित हो सकता। इस जर्जर सड़क को लेकर क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा व सार्वजनिक निर्माण विभाग की अनदेखी से ग्रामीणों में भारी रोष है।

कांग्रेस नेता मनीष जैन ने जिला प्रशासन से आग्रह किया है समन्धित विभाग को निर्देशित कर जर्जर सड़क का शीघ्र सरद्दीकरण कराया जाए ताकि क्षेत्र की जनता को इस नारकीय समस्या से निजात मिल सके।

वैध खनिज परिवहन पर सख्त कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत छह अलग-अलग प्रकरणों में वाहन मालिकों पर कुल 3 लाख 88 हजार 975 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

पारित आदेशों के अनुसार पुलिस थाना नयागांव द्वारा जप्त डम्पर क्रमांक MP44ZG8103 में बिना रॉयल्टी मुरूम का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक शेखर राव पिता कमल राव शिंदे, निवासी जमुनिया खुर्द पर 2 लाख 12 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 12 हजार रुपये तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ति 2 लाख रुपये शामिल है।

पुलिस थाना जावद द्वारा जप्त ट्रैक्टर महिन्द्रा 585 क्रमांक MP44ZB0941 से बिना रॉयल्टी गिट्टी का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक अजय पिता ओमप्रकाश, निवासी 8 सरदार मोहल्ला, नीमच सिटी पर 30 हजार 400 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 5 हजार 400 रुपये तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रुपये शामिल है। पुलिस थाना मनासा द्वारा जप्त जेसीबी 3DX क्रमांक MP44GA2254 से मुरूम का अवैध उत्खनन पाए जाने पर वाहन मालिक सुरेश पिता गिरधारी रावत, निवासी ग्राम खेजड़ी, कराड़िया बरलाई पर 30 हजार रुपये की शास्ति लगाई गई है। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 15 हजार रुपये तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ति 15 हजार रुपये शामिल है।

पुलिस थाना नयागांव द्वारा जप्त ट्रैक्टर महिन्द्रा युवो टेक 475 क्रमांक MP44ZD0776 से रेत का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक महेश पिता रामचन्द्र जूनी, निवासी चिताखेड़ा पर 34 हजार 375 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 9 हजार 375 रुपये तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रुपये शामिल है।

इसी प्रकार पुलिस थाना नयागांव द्वारा जप्त ट्रैक्टर क्रमांक AP27D2824 से खण्डा पत्थर का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक दशरथ पिता जीतमल खटीक, निवासी चेनपुरा पर 28 हजार 600 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 3 हजार 600 रुपये तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रुपये शामिल है।

पुलिस थाना सिंगोली द्वारा जप्त डम्पर क्रमांक RJ06GF7870 से गिट्टी का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक जगदीश पिता लड्डूलाल धाकड़, निवासी 18 धाकड़ मोहल्ला, डोबिया, भीलवाड़ा पर 53 हजार 600 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 3 हजार 600 रुपये तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ति 50 हजार रुपये शामिल है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने खनिज अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि अधिरोपित अर्थदंड की राशि 15 दिवस के भीतर शासकीय कोष में जमा होने की पुष्टि के उपरांत ही जप्त वाहनों को मुक्त किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मुस्कान मिशन अंतर्गत 3 वर्ष से 16 वर्ष के बच्चों को संस्थागत प्रवेश दिलाया जाएगा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिले में मुस्कान अभियान के अंतर्गत 3 वर्ष से 16 वर्ष की आयु के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने हेतु बच्चों को संस्थागत प्रवेश दिलाने एवं उनकी शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए मुस्कान अभियान का संचालन 31 जुलाई तक किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने कार्यक्रम के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों को दायित्व सौंप दिए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत 3 वर्ष से 6 वर्ष आयु समूह के बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रवेश दिया जाकर बुनियादी शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी इसके लिए शत प्रतिशत बच्चों का पंजीयन किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। 6 वर्ष से 15 वर्ष आयु समूह के बच्चों को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में प्रवेश दिलाकर शिक्षा दी जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी बच्चों की सूची प्राप्त कर उनकी मैपिंग करके एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर प्रविष्टि करेंगे। प्रत्येक शासकीय विद्यालय के प्रधान अध्यापक द्वारा अपने स्कूल में एक शिक्षक को मुस्कान अभियान के लिए नोडल के रूप में नामांकित किया जा रहा है। कक्षा एक में प्रवेश के लिए प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को शिविर आयोजित कर बच्चों को प्रवेश दिलाया जाएगा। 5 वर्ष से 6 वर्ष आयु के ऐसे बच्चे जिन्होंने प्राइवेट स्कूल में प्रवेश लिया है उनके सत्यापन का कार्य संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा किया जाएगा। 30 सितंबर 2026 की स्थिति में 6 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी बच्चों का अपार आईडी बनाया जाएगा। अपार आईडी बनाकर इन सभी बच्चों को 30 जुलाई तक स्कूलों में प्रवेश दिलाया जाएगा। चाइल्ड ट्रैकिंग ऐप में दर्ज बच्चों का उनकी आयु के अनुसार कक्षा में नामांकन कर उनका अपार आईडी बनाया जाएगा। जिले में आंगनबाड़ी केंद्रो का सर्वे करके ड्रॉप आउट बच्चों की सूची को बी आर सी को उपलब्ध कराया जाएगा। जनशिक्षक अपने जनशिक्षा केन्द्र के अंतर्गत आने वाली बसाहट में स्थित आंगनवाड़ी भवनों का स्कूल के (ग्राउंड ट्रूनिंग रिपोर्ट) का कार्य 03 दिवम में शत- प्रतिशत पूर्ण करेंगे। BAC/CAC के लक्ष्य की प्रतिदिन मॉनिटरिंग विकासखण्ड एवं जिला स्तर से की जाएगी। मॉनिटरिंग के आधार पर ही उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

सम्पादकीय

वसुधैव कुटुम्बकम भारत की वैश्विक धारणा और भावना

भारतीय संस्कृति का मूल दर्शन केवल अपने परिवार या राष्ट्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार मानने की उदात्त दृष्टि प्रदान की है। उपनिषदों का प्रसिद्ध वाक्य ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन जीने की ऐसी शैली है जिसमें समस्त सृष्टि के प्रति आत्मीयता, करुणा, सह-अस्तित्व और समरसता का भाव निहित है। आज जब दुनिया स्वार्थ, हिंसा, युद्ध, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब यह भारतीय जीवन-दर्शन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है।

मनुष्य की महानता उसके धन के परिमाण से नहीं, बल्कि उसके हृदय की विशालता से आँकी जाती है। किसी धनी व्यक्ति द्वारा अपनी विपुल संपत्ति का थोड़ा-सा भाग दान करना निश्चित रूप से प्रशंसनीय है, किंतु उससे कहीं अधिक महान वह व्यक्ति है, जिसके पास सीमित संसाधन होने के बावजूद वह अपनी आवश्यकताओं में कटौती कर किसी जरूरतमंद की सहायता करता है। यही वास्तविक परोपकार है। संत कबीर ने कहा है वृक्ष कबहुँ नहीं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर, अर्थात प्रकृति का प्रत्येक तत्व दूसरों के लिए जीना सिखाता है।

जियो और जीने दो का सिद्धांत तथा वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना जिस समाज में सशक्त होती है, उस समाज की प्रगति को कोई रोक नहीं सकता। ऐसे समाज में विश्वास, सहयोग, नैतिकता और संवेदनशीलता का वातावरण निर्मित होता है। महात्मा गांधी का कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि स्वयं को पाने का सर्वोत्तम तरीका है कि स्वयं को दूसरों की सेवा में खो दिया जाए।

मनुष्य का जीवन उत्साह, संघर्ष और निरंतर विकास की यात्रा है। जीवन में परिवर्तन स्वाभाविक है और विकास की संभावनाएँ भी परिवर्तन के साथ ही जन्म लेती हैं। जो व्यक्ति स्वयं के साथ-साथ समाज और मानवता के कल्याण के लिए जीता है, वही जीवन की वास्तविक सार्थकता को प्राप्त करता है। स्वामी विवेकानंद का यह प्रेरक संदेश प्रत्येक व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है– उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

शास्त्रों में पुनर्जन्म की अवधारणा का विस्तार से वर्णन मिलता है। अनेक लोग यह मानते हैं कि इस जन्म के शुभ कर्म अगले जन्म को श्रेष्ठ बनाते हैं। यह आस्था भारतीय अध्यात्म का महत्वपूर्ण पक्ष है। किंतु यदि दार्शनिक दृष्टि से विचार करें तो वर्तमान जीवन ही हमारे हाथ में उपलब्ध सबसे बड़ा सत्य है। भविष्य या अगले जन्म की कल्पनाओं में वर्तमान के कर्तव्यों की उपेक्षा करना उचित नहीं कहा जा सकता। इसलिए आवश्यक है कि हम इसी जीवन को उत्कृष्ट बनाएं, इसी जीवन में मानवता के लिए उपयोगी कार्य करें और समाज के लिए ऐसी विरासत छोड़ जाएँ, जो आने वाली पीढ़ियों का मार्ग आलोकित करे।

जीवन के उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग हो सकते हैं। कोई आर्थिक समृद्धि चाहता है, कोई राजनीति में प्रतिष्ठा, कोई विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्धि, कोई साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा या व्यवसाय में उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहता है। लक्ष्य चाहे जो भी हो, उसकी प्राप्ति के लिए अपनाए गए साधनों की शुद्धता ही व्यक्ति के चरित्र का वास्तविक परिचय देती है। महात्मा गांधी का यह विचार सदैव स्मरणीय है साध्य जितना पवित्र हो, साधन भी उतने ही पवित्र होने चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन में साहस, संयम, आत्मविश्वास, अनुशासन और तपस्या के साथ आगे बढ़ना चाहिए। असफलता से घबराने के स्थान पर उसे सीख के रूप में स्वीकार करना चाहिए। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहा करते थे कि सपने वे नहीं होते जो सोते समय आते हैं, सपने वे होते हैं जो आपको सोने नहीं देते। यही स्वप्न जब कठोर परिश्रम और सकारात्मक चिंतन से जुड़ते हैं, तब वे समाज के लिए प्रेरणा बन जाते हैं।

मानवीय संवेदनाएँ ही मनुष्य को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाती हैं। यदि जीवन केवल व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं तक सीमित रह जाए तो उसकी सार्थकता अधूरी रह जाती है। सच्चा जीवन वही है जो अपने तन, मन और धन का कुछ अंश समाज के वंचित, पीड़ित और असहाय वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर सके। गौतम बुद्ध ने कहा था– हजारों दीपक एक दीपक से जल सकते हैं, फिर भी उस दीपक का प्रकाश कम नहीं होता। ठीक उसी प्रकार दूसरों के जीवन में आशा का प्रकाश फैलाने से हमारा जीवन और अधिक प्रकाशित होता है।

अनेक चिंतकों ने जीवन को रंगमंच की संज्ञा दी है। हम सभी विभिन्न भूमिकाएँ निभाते हुए अपने जीवन का अभिनय करते हैं। किंतु इन भूमिकाओं की सफलता हमारे पद, प्रतिष्ठा या वैभव से नहीं, बल्कि हमारी सच्चाई, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय व्यवहार से निर्धारित होती है। यही गुण व्यक्ति को समाज में स्थायी सम्मान दिलाते हैं।

सफलता और असफलता जीवन के दो अविभाज्य पक्ष हैं। जो व्यक्ति सफलता में विनम्र और असफलता में धैर्यवान रहता है, वही वास्तव में परिपक्व व्यक्तित्व का स्वामी होता है। लोभ, लालच, अहंकार और असीमित इच्छाएँ मनुष्य को भीतर से खोखला बना देती हैं, जबकि संतोष, संयम और नैतिकता उसे आत्मिक समृद्धि प्रदान करते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आर्थिक उन्नति का प्रयास छोड़ दिया जाए। आवश्यकता इस बात की है कि आध्यात्मिक मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना और आर्थिक प्रगति के बीच संतुलन स्थापित किया जाए।

जल के बिना भी संकट, जल के साथ भी संकट

भारतीय शहर आज विकास की सबसे बड़ी विडंबना का प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष का एक हिस्सा पानी की एक-एक बूंद के लिए भटकते हुए गुजरता है, तो दूसरा उसी पानी से बचने के संघर्ष में। कुछ ही महीने पहले दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में सूखे नल, घटता भूजल, टैंकरों के पीछे लंबी कतारें और ÷वॉटर क्राइसिस÷ के बोर्ड दिखाई दे रहे थे। आज वही शहर मूसलाधार बारिश में डूबे हैं। सड़कें नदियों में बदल गई हैं, मेट्रो स्टेशन जलमग्न हैं, वाहन बह रहे हैं और जनजीवन ठप पड़ा है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल की विफलता है जिसने प्रकृति के साथ चलने के बजाय उसे पराजित करने का भ्रम पाल लिया।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि जल संकट और जलभराव अब अलग-अलग समस्याएँ नहीं, बल्कि एक ही अव्यवस्थित व्यवस्था के दो चेहरे हैं। गर्मियों में दिल्ली का भूजल खतरनाक स्तर तक गिर जाता है और लोग पानी के लिए भटकते हैं, जबकि मानसून की पहली तेज बारिश में वही इलाके घुटनों तक पानी में डूब जाते हैं। मुंबई में हर वर्ष लोकल ट्रेनें ठप पड़ती हैं और लाखों लोग प्रभावित होते हैं। तकनीकी राजधानी बेंगलुरु में सड़कें जलमग्न होने पर आईटी कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम लागू करना पड़ता है। चेन्नई में 2015 की विनाशकारी बाढ़ की यादें आज भी भय पैदा करती हैं। शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में प्रमुख शहरों में जलभराव की घटनाएँ लगभग 35 प्रतिशत बढ़ी हैं। यह केवल वर्षा की तीव्रता नहीं, बल्कि हमारी योजनागत विफलता का प्रमाण है।

इस संकट की जड़ें प्रकृति में नहीं, हमारी विकास नीति में हैं। शहरों के अंधाधुंध विस्तार ने झीलों, तालाबों, वेटलैंड्स और प्राकृतिक जलमार्गों को निगल लिया। सदियों तक वर्षा जल सँभालने वाले जलाशयों की जगह मॉल, बहुमंज़िला इमारतें, कॉलोनियाँ और सड़कें खड़ी हो गईं। नतीजतन वर्षा जल के प्राकृतिक निकास मार्ग समाप्त हो गए। बादल अपना काम करते हैं, लेकिन शहर विफल हो जाते हैं। पानी के पास बहने का रास्ता नहीं बचता, इसलिए वह सड़कों, बेसमेंटों, मेट्रो स्टेशनों और रिहायशी इलाकों में भर जाता है। दिल्ली-एनसीआर का अनेक स्थानों पर 50ङ्क60 वर्ष पुराना ड्रेनेज तंत्र आज की आबादी और वर्षा का दबाव नहीं झेल पा रहा, जबकि मुंबई में समुद्र से पुनः प्राप्त भूमि पर जल निकासी और गंभीर हो गई है। प्रकृति को कुचलकर किए गए विकास की कीमत आज हर नागरिक चुका रहा है।

स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि यह कोई अप्रत्याशित आपदा नहीं। हर वर्ष मानसून आता है, भारी बारिश होती है और जलभराव होता है, फिर भी प्रशासन की तैयारी अधूरी रहती है। नालों की सफाई अधूरी, पंपिंग स्टेशन खराब, ड्रेनेज का आधुनिकीकरण फाइलों में और जल निकासी पर निवेश नाकाफी रहता है। नतीजा, कुछ घंटों की बारिश ही शहर की रफ्तार थाम देती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, शहरी बाढ़ से हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होता है। इसके बावजूद स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में ड्रेनेज, भूजल पुनर्भरण और वर्षा जल प्रबंधन प्राथमिकता नहीं बन पाए। योजनाएँ आधुनिक दिखती हैं, लेकिन बुनियादी ढाँचा आज भी जर्जर और उपेक्षित है।

प्रशासनिक उदासीनता की सबसे बड़ी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं। कर्मचारी घंटों जाम में फँसते हैं, विद्यार्थी विद्यालय नहीं पहुँच पाते, छोटे व्यापारी कारोबार ठप होने को विवश होते हैं और कई बार गंभीर रोगी समय पर अस्पताल तक नहीं पहुँच पाते। जलभराव केवल असुविधा नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं, संक्रामक रोगों, बिजली संकट और आर्थिक ठहराव का कारण बनता है। दूसरी ओर गर्मियों में यही नागरिक टैंकरों से महँगा पानी खरीदने को मजबूर होते हैं। यानी कुछ ही महीनों में एक ही शहर पानी की कमी और पानी की अधिकता–दोनों का संकट झेलता है। इससे बड़ा विकास का विरोधाभास क्या हो सकता है?

स्पष्ट है कि समस्या का समाधान केवल राहत कार्यों से नहीं होगा। भारत को ऐसी समग्र जल नीति चाहिए, जो जल संरक्षण, जल निकासी और भूजल पुनर्भरण–तीनों को समान महत्व दे। हर नए निर्माण में वर्षा जल संचयन, पर्मिएबल सड़कें तथा वेटलैंड्स, झीलों और तालाबों का संरक्षण अनिवार्य हो। उपेक्षित पारंपरिक जलाशयों के पुनर्जीवन का राष्ट्रीय अभियान चलाया जाए। दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में वेटलैंड पुनर्स्थापन के सफल मॉडल साबित कर चुके हैं कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और वैज्ञानिक योजना से जल संकट और जलभराव, दोनों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। अब इन्हें देश की शहरी नीति का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा।

समय आ गया है कि शहरों की योजना कंक्रीट नहीं, जल के आधार पर बने। किसी भी सड़क, कॉलोनी, फ्लाईओवर, मेट्रो या आवासीय परियोजना को तभी स्वीकृति मिले, जब वह प्राकृतिक जल प्रवाह में बाधा न बने। शहरी नियोजन का हर निर्णय इस सोच पर आधारित हो कि वर्षा का पानी संकट नहीं, भविष्य की जल सुरक्षा का सबसे बड़ा स्रोत है। वर्षा जल का वैज्ञानिक संचयन, भूजल पुनर्भरण और प्राकृतिक जलमार्गों का पुनर्जीवन सुनिश्चित हो जाए, तो आज का यही पानी कल सबसे बड़ी जीवन-संपदा बन सकता है।

भारतीय शहर आज ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ विकास की दिशा बदलना अनिवार्य है। प्रकृति से संघर्ष कर कोई सभ्यता लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह सकती। जो विकास प्रकृति को मिटाता है, प्रकृति भी उसे टिकने नहीं देती। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई–हर महानगर यही चेतावनी दे रहा है कि अभी भी समय है। यदि जल-संवेदनशील शहरी नियोजन, उत्तरदायी प्रशासन और प्रभावी जल नीति को तुरंत लागू नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में शहर हर मानसून में डूबेंगे और हर गर्मी में प्यासे रहेंगे। तब इतिहास यही दर्ज करेगा कि हमने पानी को संसाधन नहीं, संकट बना दिया–और यही हमारे विकास मॉडल की सबसे बड़ी विडंबना होगी।

-प्रो. आरके जैन

बच्चों पर मंडराता साइबर खतरा

इंटरनेट मीडिया की दुनिया में आज बच्चों का बचपन लाइक्स और व्यूज के बीच पलने को मजबूर है। बच्चे के मोबाइल स्क्रालिंग, चैटिंग, रील्स देखने के साथ-साथ रील्स बनाने में मां-बाप की सक्रिय सहभागिता चिंता का विषय बन रही है। इसके कारण 80 प्रतिशत से भी अधिक बच्चों के चित्र अथवा उनके वीडियो इंटरनेट पर विद्यमान हैं। इसका अर्थ है कि खेलने, खाने, पढ़ने और कुछ रचनात्मक कार्य करने की उम्र में हम स्वयं ही उन्हें साइबर बुलिंग, आनलाइन शोषण, डिजिटल लत के साथ-साथ निजता के हनन और अनचाहे मानसिक दबाव की ओर धकेल रहे हैं।

विश्व में आज करीब 40 करोड़ बच्चे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। भारत में नौ से तेरह साल के लगभग 76 प्रतिशत बच्चे फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं यू-ट्यूब जैसे इंटरनेट मीडिया का प्रयोग केवल समय बिताने के लिए ही नहीं कर रहे, बल्कि वे किड्स इन्फ्लुएंसर बनने की ओर भी अग्रसर हैं। आज अकेले इंस्टाग्राम पर 83 हजार से भी अधिक किड्स इन्फ्लुएंसर सक्रिय हैं। हाल के वर्षों में इनकी संख्या में 41 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि हुई है।

इंटरनेट मीडिया से संलग्न बच्चे अब केवल रील्स अथवा वीडियो देखने वाले ही नहीं रह गए हैं, बल्कि कंटेंट क्रिएटर और प्रमोशन के लिए ब्रांड भी बन रहे हैं। कंटेंट क्रिएशन से ये लाखों रुपये भी अर्जित कर रहे हैं। सर्वेक्षण बताते हैं कि 2010 के बाद पैदा हुए 37 प्रतिशत बच्चे इंटरनेट मीडिया के क्षेत्र में इन्फ्लुएंसर बनना चाहते हैं। इन बच्चों के एकाउंट, उनकी वीडियो शूटिंग, उसका संपादन तथा इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने के कार्य इन बच्चों के मां-बाप संभालते हैं। यह किड्स डिजिटल इकोनमी केवल एक आर्थिक अवधारणा ही नहीं है, यह बाल अधिकारों, सुरक्षा, गोपनीयता और नैतिकता से जुड़ा मुद्दा भी है।

जब बच्चे इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय होते हैं, वीडियो देखते या गेम खेलते हैं, तो वे केवल मनोरंजन ही नहीं, डाटा भी उत्पन्न कर रहे होते हैं। उनके व्यवहार, आदतें, पसंद-नापसंद, रुचियां इन डिजिटल कंपनियों के लिए एक आर्थिक वैल्यू लिए होती हैं। यानी जब कोई बच्चा विडियो देखता है, कोई एप डाउनलोड करता है, गेम खेलता है अथवा आनलाइन कक्षा में भाग लेता है, तो ऐसे समय में उसकी लोकेशन, व्यवहार और उसकी रुचियों से जुड़े डाटा एकत्र किए जाते हैं। डिजिटल कंपनियां इस डाटा का उपयोग मार्केट रिसर्च, विज्ञापनों, व्यावसायिक रणनीतियों के निर्माण तथा एल्गोरिदमिक सिफारिशों के लिए करती हैं। यही वजह है कि बच्चों से जुड़े डाटा की सुरक्षा आज गंभीर चिंता का विषय बन रही है। यह डिजिटल अर्थव्यवस्था बच्चों को शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता और नए वैश्विक अवसरों से जोड़ सकती है, परंतु इस लालच में यदि हमने उनकी डिजिटल सुरक्षा, गोपनीयता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा की तो यह गंभीर चुनौती भी बन सकती है।

-सुनील कुमार महला

नए भारत के शिल्पकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

भारत का इतिहास केवल उन व्यक्तियों को याद नहीं रखता जिन्होंने सत्ता संभाली, बल्कि उन महापुरुषों को भी स्मरण करता है जिन्होंने राष्ट्र के भविष्य की दिशा निर्धारित की। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही राष्ट्रपुरुष एवं राष्ट्र-निर्माता थे, जिनकी दृष्टि तत्कालीन राजनीति की सीमाओं से कहीं आगे जाकर एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर, सांस्कृतिक रूप से जागृत और अखण्ड भारत के निर्माण पर केन्द्रित थी। उनकी 125वीं जयंती ऐसे समय में मनाई जा रही है जब भारत 'विकसित भारत-2047' के राष्ट्रीय संकल्प के साथ विश्व की अग्रणी शक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह केवल एक संयोग नहीं, बल्कि इतिहास का वह बिंदु है जहाँ डॉ. मुखर्जी के विचार और वर्तमान भारत की विकास यात्रा एक-दूसरे से मिलते दिखाई देते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन केवल एक राजनेता का जीवन नहीं था, वे एक विलक्षण शिक्षाविद्, दूरदर्शी चिंतक, निर्भीक राष्ट्रवादी, कुशल प्रशासक और लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने राष्ट्रवाद को कभी संकीर्ण राजनीतिक विचारधारा नहीं माना, बल्कि उसे भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और जनकल्याण का आधार बताया। उनका मानना था कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना से निर्मित एक जीवंत राष्ट्र है।

आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत', 'आत्मनिर्भर भारत', 'विकसित भारत-2047' और 'विश्वगुरु भारत' की परिकल्पना को मूर्त रूप देने में जुटे हैं, तब डॉ. मुखर्जी की वैचारिक विरासत और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी अनेक अवसरों पर उन्हें आधुनिक भारत के महान निर्माताओं में स्थान दे चुके हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक परिवर्तन नहीं था, बल्कि डॉ. मुखर्जी के उस अधूरे संकल्प की ऐतिहासिक पूर्णता थी जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन तक न्योछावर कर दिया था। डॉ. मुखर्जी ने स्पष्ट कहा था' 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे।' यह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की अखण्ड राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि राष्ट्रीय एकता किसी समझौते का विषय नहीं हो सकती। आज जम्मू-कश्मीर का पूर्ण संवैधानिक एकीकरण उनके बलिदान का जीवंत स्मारक है।

डॉ. मुखर्जी का व्यक्तित्व जितना राजनीतिक था, उससे कहीं अधिक बौद्धिक और शैक्षणिक था। मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बनना उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण था। उन्होंने शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार माना। उनका विश्वास था कि ऐसी शिक्षा, जिसमें विज्ञान की आधुनिकता और अध्यात्म की संवेदनशीलता का समन्वय हो, वही भारत को पुनः विश्वगुरु बना सकती है। आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा, मातृभाषा, अनुसंधान और नवाचार पर जो बल दिया जा रहा है, उसमें भी कहीं न कहीं डॉ. मुखर्जी की शिक्षा-दृष्टि की प्रतिध्वनि सुनाई देती है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को भी आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और उत्पादन-आधारित विकास से जोड़कर देखा। उनका मानना था कि आर्थिक स्वतंत्रता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता अधूरी है। आज भारत विनिर्माण, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और वैश्विक निवेश के क्षेत्र में जो नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहा है, वह उसी आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करता है जिसका बीजारोपण स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में अनेक राष्ट्रनिर्माताओं ने किया था।

डॉ. मुखर्जी लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित नहीं मानते थे। उनके लिए लोकतंत्र का अर्थ था- नागरिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, समान अधिकार और राष्ट्रहित सर्वोपरि। उन्होंने सत्ता के विरोध में भी वही कहा जिसे वे राष्ट्रहित में उचित मानते थे। नेहरू मंत्रिमंडल से उनका त्यागपत्र सिद्धांतों की राजनीति का उत्कृष्ट उदाहरण है। आज जब राजनीति में मूल्य, नैतिकता और वैचारिक प्रतिबद्धता की चर्चा होती है, तब उनका जीवन आदर्श प्रेरणा बनकर सामने आता है। भारत के विभाजन के समय उन्होंने बंगाल के हिंदू-बहुल क्षेत्रों को भारत में बनाए रखने के लिए जो संघर्ष किया, वह उनके दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण था। यदि उनका हस्तक्षेप न होता तो आज का पश्चिम बंगाल भी भारत का हिस्सा न होता। उन्होंने विभाजन को ऐतिहासिक विवशता माना, लेकिन सांस्कृतिक भारत की एकता को कभी खंडित नहीं माना। उनका अखण्ड भारत का विचार किसी भू-राजनीतिक विस्तार का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक समरसता, साझा विरासत और सभ्यतागत एकात्मता का विचार था। डॉ. मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। उन्होंने ऐसी राजनीतिक संस्कृति की नींव रखी जिसमें राष्ट्र सर्वोपरि हो, शासन पारदर्शी हो और राजनीति सेवा का माध्यम बने। आज भारतीय लोकतंत्र जिस परिपक्वता के साथ विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में प्रतिष्ठित है, उसमें उनके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। उन्होंने वैचारिक विपक्ष को लोकतंत्र की आवश्यक शक्ति माना और स्वस्थ लोकतांत्रिक संवाद का समर्थन किया।

आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का राष्ट्रीय लक्ष्य केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, तकनीकी नेतृत्व, पर्यावरणीय संतुलन, सुशासन और वैश्विक उत्तरदायित्व का समेकित संकल्प है। इस संकल्प की वैचारिक भूमि पर यदि किसी राष्ट्रपुरुष की छाप स्पष्ट दिखाई देती है, तो उनमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका विश्वास था कि भारत अपनी सांस्कृतिक आत्मा को सुरक्षित रखते हुए ही आधुनिकता का नेतृत्व कर सकता है। यही आज के नए भारत की मूल पहचान भी बन रही है। भारत की युवा पीढ़ी के लिए डॉ. मुखर्जी का जीवन विशेष प्रेरणा है। उन्होंने सिद्ध किया कि आयु नहीं, दृष्टि राष्ट्र निर्माण करती है। युवा कुलपति, युवा सांसद, युवा केंद्रीय मंत्री और एक नए राजनीतिक आंदोलन के संस्थापक के रूप में उन्होंने युवाओं को नेतृत्व, साहस और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। आज जब भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है, तब उनके विचार युवाओं को केवल सफल नहीं, बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

डॉ. मुखर्जी का राष्ट्रवाद समावेशी था। वे भारत की विविधता को उसकी शक्ति मानते थे। उनका आग्रह था कि भाषा, क्षेत्र, जाति और पंथ की विविधताओं के बावजूद भारत की राष्ट्रीय पहचान एक ही है। आज 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का अभियान इसी राष्ट्रीय एकात्मता को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उनका जीवन यह भी सिखाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि भारत को 2047 तक विकसित, समृद्ध और विश्वगुरु बनाना है तो केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। हमें चरित्रवान नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच, सांस्कृतिक आत्मगौरव, नैतिक राजनीति और उत्तरदायी लोकतंत्र का भी निर्माण करना होगा। यही डॉ. मुखर्जी का वास्तविक संदेश था।

आज आवश्यकता केवल उनकी जयंती मनाने की नहीं, बल्कि उनके विचारों को राष्ट्रीय जीवन में उतारने की है। जब भारत वैश्विक मंच पर नई भूमिका निभाने के लिए तैयार हो रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें यह विश्वास दिलाता है कि जो राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा रहता है, वही आधुनिकता के शिखर तक पहुँचता है। उनकी 125वीं जयंती पर यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी कि हम उनके राष्ट्रप्रेम, लोकतांत्रिक मूल्यों, शिक्षा-दृष्टि, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक चेतना और अखण्ड भारत के संकल्प को अपने राष्ट्रीय चरित्र का अंग बनाएं। यदि हम ऐसा कर सके, तो वर्ष 2047 का विकसित, समृद्ध, आत्मविश्वासी और विश्वगुरु भारत केवल एक सपना नहीं रहेगा, बल्कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की दूरदृष्टि और करोड़ों भारतीयों के सामूहिक पुरुषार्थ से साकार होने वाला ऐतिहासिक यथार्थ बनेगा। उनके विचार आज भी नए भारत की यात्रा के पथप्रदर्शक हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बने रहेंगे।

-ललित गर्ग

निर्वाज्य प्रेम की दैवी सम्पदा को प्राप्त करने का सहज साधन है सहजयोग

प. पू श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग ध्यान हमें अपने-आपसे प्रेम करना सिखाता है। इस ध्यान के माध्यम से हम यह जान जाते हैं कि, में एक शुद्ध आत्मतत्व हूँ। यह आत्मस्वरूप, निर्गुण, निराकार, परम-प्रेमास्पद और आनंद का खजाना है, परंतु हम सब मानव इस खजाने से अनजान लोग हैं। परंतु सहज योग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तब वह इस देवी प्रेम को अनुभूत कर सकता है। अर्थात् यह देवी प्रेम भी उसी साधक को अनुभूत होता है जिसके हृदय में परमात्मा के प्रति, या खुद के आत्मस्वरूप के प्रति निमिषमात्र भी श्रद्धा हो। श्रद्धावान लभते ज्ञानम् इस उक्ती के अनुसार साधक तत्क्षण इस दैवीय प्यार को पा सकता है और एक बार अगर उसने इस अमृत को चख लिया तो वह अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़ता है। हर दिन के नियमित ध्यान से इस दैवी प्रेम में स्थित होता है।

प पू श्रीमाताजी के अमृतवचनानुसार यह मन की वह अवस्था है जिसे प्राप्त करना होता है। वहाँ आप किसी का न्याय नहीं करते, किसी का भी नहीं । आपको पता होता है कि कोई दोष है लेकिन आप उसे अपने प्रेम से ढंक देते हैं और उसे एक सुंदर मोती बना देते है। जैसे सूर्य का प्रकाश जो हर ओर फैलता है वह किसी का दोष नहीं देखता न ही पत्तों की गिनती करता है, वह केवल देता है, और देता ही रहता है। उसी प्रकार आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर हम सभी को उस अवस्था को प्राप्त करना चाहिए, जहा हम केवल देते रहें बिना किसी मैं की भावना के, बिना भौतिक विचार के और बिना उन निरर्थक स्थूल तरीकों के जिनसे लोग, जीवन को देखते हैं। अपने हृदय को पिघलने दीजिये प्रेम को बहने दीजिए और उसका आनंद लीजिए। यदि दूसरे आपसे क्रोधित हो जायें तो क्या हुआ यदि वे कुछ निरर्थक बात कहें तो क्या हुआ आप स्वयं के आनंद में स्थित हैं। यही वास्तविक प्रेम है। यह ऐसा प्रेम है जो आपको क्षमाभाव प्रदान करता है, आत्मविश्वास व आत्मसम्मान प्रदान करता है। शुद्ध इच्छा रखने वाले प्रत्येक साधक को यह निर्वाज्य प्रेम सहजयोग ध्यान के माध्यम से अत्यंत सहजता से प्राप्त हो सकता है।

विकास की धंसती सड़कें और भ्रष्टाचार की गहरी नींवें

जिस दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर को आधुनिक भारत के तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, उसकी सड़क उद्घाटन के महज ढाई महीने बाद पहली ही बरसात में धंस गई। सड़क इस तरह धंसी कि कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर विकास की चमकदार तस्वीर के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई को उजागर कर दिया। प्रश्न यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क पहली ही वर्षा का सामना क्यों नहीं कर सकी? क्या निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया गया? क्या जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं थी? या फिर यह भ्रष्टाचार, लापरवाही और जवाबदेही के अभाव का परिणाम है? यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में नई सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों और सार्वजनिक भवनों के ध्वस्त होने की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों का गिर जाना पूरे देश को झकझोर गया था। एक ही दिन पांच पुल-पुलियों का धराशायी होना केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार का जीवंत प्रमाण था। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में 135 लोगों की जान चली गई। कोलकाता के विवेकानंद फ्लाईओवर के गिरने से अनेक परिवार उजड़ गए। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत गिरने की घटना और मुंबई के घाटकोपर में विशाल होर्डिंग गिरने से हुई मौतों ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि सार्वजनिक निर्माण की गुणवत्ता गंभीर संकट से गुजर रही है।

इन घटनाओं को केवल प्राकृतिक आपदा या भारी वर्षा का परिणाम बताकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। यदि पहली ही बारिश में सड़क धंस जाए, पुल बह जाएं या भवनों की छतें गिर जाएं, तो यह प्रकृति की नहीं, बल्कि मानव निर्मित विफलता की एवं गहरे में पैठे भ्रष्टाचार की कहानी है। आधुनिक इंजीनियरिंग और तकनीक के इस युग में ऐसी घटनाएं अस्वीकार्य हैं। यह विकास नहीं, बल्कि विकास के नाम पर जनता के साथ किया गया विश्वासघात है। सड़कें और पुल किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति की धमनियां होते हैं। इनके माध्यम से व्यापार चलता है, गांव शहरों से जुड़ते हैं, किसान अपनी उपज बाजार तक पहुंचाते हैं और आम नागरिक सुरक्षित आवागमन करते हैं। जब यही आधारभूत संरचनाएं असमय ध्वस्त होने लगें, तो केवल कंक्रीट और लोहे का ढांचा नहीं टूटता, बल्कि जनता का शासन और प्रशासन पर विश्वास भी टूटता है।

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर की सड़क धंसने के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने संबंधित प्रोजेक्ट मैनेजर और टीम लीडर को निलंबित किया तथा निर्माण कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल निलंबन से समस्या का समाधान हो जाएगा? अनुभव बताता है कि अधिकांश मामलों में निलंबित अधिकारी कुछ समय बाद बहाल हो जाते हैं या उनका स्थानांतरण कर दिया जाता है। जिन कंपनियों को काली सूची में डाला जाता है, वे कुछ समय बाद नए नाम से फिर सरकारी ठेके प्राप्त करने लगती हैं। परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार का चक्र लगातार चलता रहता है। वास्तविक समस्या जवाबदेही के अभाव की है। निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया-डिजाइन, सामग्री, तकनीकी परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय नहीं होती। जब दोषियों को कठोर दंड नहीं मिलता, तब भ्रष्टाचार को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिल जाता है। यही कारण है कि हर वर्ष बरसात के साथ सड़कें उखड़ती हैं, पुलों में दरारें पड़ती हैं और करोड़ों रुपये की परियोजनाएं समय से पहले दम तोड़ देती हैं।

देश में सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं का बड़ा हिस्सा कमीशनखोरी और रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। ठेके हासिल करने से लेकर बिलों के भुगतान तक अनेक स्तरों पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। जब परियोजना की लागत का बड़ा भाग अवैध लेन-देन में खर्च हो जाता है, तब निर्माण की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। घटिया सामग्री का उपयोग, तकनीकी मानकों की अनदेखी और समय सीमा का दबाव मिलकर ऐसी संरचनाएं तैयार करते हैं जो पहली ही परीक्षा में असफल हो जाती हैं। विडंबना यह भी है कि प्रत्येक दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं, लेकिन व्यवस्था में कोई मूलभूत परिवर्तन नहीं आता। दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध मुकदमे वर्षों तक लंबित रहते हैं। जनता का आक्रोश धीरे-धीरे शांत हो जाता है और फिर कोई नई दुर्घटना उसी कहानी को दोहरा देती है। विकसित देशों में भी दुर्घटनाएं होती हैं, किंतु वहां प्रत्येक हादसे के बाद प्रणालीगत सुधार किए जाते हैं। भारत में सुधार की अपेक्षा लीपापोती अधिक दिखाई देती है।

अब समय आ गया है कि सार्वजनिक निर्माण कार्यों के लिए पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन किया जाए। प्रत्येक परियोजना के लिए स्वतंत्र थर्ड-पार्टी गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य किया जाए। निर्माण सामग्री की डिजिटल ट्रैकिंग, प्रत्येक चरण का तकनीकी सत्यापन तथा ड्रोन और आधुनिक सेंसर आधारित निरीक्षण को व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाए। परियोजना पूरी होने के बाद केवल उद्घाटन नहीं, बल्कि निश्चित अवधि तक उसके प्रदर्शन का भी वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाए। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता यह है कि दोषी अधिकारियों, इंजीनियरों और ठेकेदारों की व्यक्तिगत एवं आर्थिक जवाबदेही तय हो। यदि उनकी लापरवाही से जनहानि होती है या सार्वजनिक धन की बर्बादी होती है, तो केवल निलंबन नहीं, बल्कि सेवा से बर्खास्तगी, आर्थिक दंड और आपराधिक मुकदमे जैसी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। जब तक भ्रष्टाचार की कीमत चुकानी नहीं पड़ेगी, तब तक भ्रष्टाचार समाप्त नहीं होगा।

-धनंजय राजौरा

सांदीपनि विद्यालय सन्नौड़ में किताब से कल तक विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम में विधायक, कलेक्टर और एसपी ने विद्यार्थियों को बताई भविष्य की दिशाएं

जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने विद्यार्थी संवाद में जीवन का लक्ष्य तय कर मेहनत और अनुशासन के साथ अध्ययन करने का दिया संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हाटपीपल्या विधानसभा के ग्राम सन्नौड़ में स्थित सांदीपनि विद्यालय में विधायक श्री मनोज चौधरी, कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद की उपस्थिति में किताब से कल तक विषय अंतर्गत विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम में विधायक श्री मनोज चौधरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पूरे देवास जिले में सबसे पहले ग्राम सन्नौड़ में सांदीपनि विद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है, जो क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अपने छात्र जीवन का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा, जब हम छात्र थे, तब इतनी आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण शासकीय स्कूल नहीं हुआ करते थे और न ही हमें सही समय पर मार्गदर्शन देने वाला कोई था। आज शासकीय स्कूलों में आप सभी विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाये मिल रही हैं। विधायक श्री चौधरी ने कहा कि आज देश विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहा है और यह सपना आज के विद्यार्थियों के सहयोग से ही साकार होगा। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे देश का भविष्य हैं।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति को जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई ही आपको नीचे से ऊपर तक ले जा सकती है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को अपने लक्ष्य के अनुरूप मन लगाकर अध्ययन करना चाहिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि संदीपनी विद्यालय शासन के एक उत्कृष्ट मॉडल के रूप में विकसित हुआ है, जिसका लाभ विद्यार्थियों को भविष्य निर्माण में मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज हमारे बीच से पढ़कर निकले अनेक विद्यार्थी देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं। विद्यालय में किया गया अध्ययन ही यह तय करता है कि भविष्य में आप क्या बनना चाहते हैं। यदि आप बेहतर शिक्षा प्राप्त करेंगे तो जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकते हैं।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा आपको जो सुविधाएं दी जा रही है, उनका लाभ लेकर अपना भविष्य बनाये। देवास जिले में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निरंतर सहयोग प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जेईई एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि वे बेहतर तैयारी कर अपने सपनों को साकार कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने कहा कि आज शासकीय विद्यालय ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि अच्छे से अच्छे प्राइवेट स्कूलों से ज्यादा और आधुनिक सुविधाएं सांदीपनि विद्यालयों में प्रदान की जा रही हैं। अपने छात्र जीवन को याद करते हुए एसपी श्री गेहलोद ने कहा, हम भी शासकीय विद्यालय से ही पढ़कर निकले हैं। हमारे समय में इतनी सुविधाएं नहीं हुआ करती थीं। आज ग्रामीण क्षेत्र में इतनी बड़ी और सर्वसुविधायुक्त स्कूल का होना यह दर्शाता है कि प्रदेश सरकार शिक्षा को लेकर कितनी संवेदनशील है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे सरकार की इन सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं और अपना एक निश्चित लक्ष्य बनाकर सही दिशा में आगे बढ़ें। आपकी जिस भी फील्ड में रुचि और लगन है, उसी में पूरी ईमानदारी से मेहनत करें। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों से निकलकर आज विद्यार्थी देश-दुनिया में नाम रोशन कर रहे हैं, आप भी कड़ी मेहनत से अपना भविष्य उज्ज्वल बनाएं ताकि आपके पूरे क्षेत्र को आप पर गर्व हो सके। विद्यार्थियों ने पूछा सफलता का सफर और हॉबी-पढ़ाई का तालमेल- संवाद सत्र के दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं ने विधायक श्री मनोज चौधरी से उनके छात्र जीवन, कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह से हॉबी-पढ़ाई को एक साथ कैसे जारी रखा जा सकता है तथा पुलीस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद से सफलता का सफर के संबंध में प्रश्न पूछे।

संवाद सत्र के दौरान जब विद्यार्थियों ने विधायक श्री मनोज चौधरी से उनके छात्र जीवन के अनुभवों के बारे में पूछा, तो उन्होंने पुरानी यादें साझा कीं। विधायक श्री चौधरी ने कहा, जब हम छात्र जीवन में थे, तब आज की तरह आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण शासकीय स्कूल नहीं हुआ करते थे। आज ग्रामीण क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय के रूप में सुविधाएं आपके पास हैं।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह से हॉबी-पढ़ाई को एक साथ कैसे जारी रखा जा सकता है सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा माध्यम है जो एक साधारण परिवार के बच्चे को भी शीर्ष मुकाम पर पहुँचा सकती है। हॉबी और पढ़ाई दोनों को साथ मैनेज किया जा सकता है, बशर्ते छात्र अपने समय का सही करें।

पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने सफलता के सफर के संबंध में पूछे प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि मैं भी आपकी तरह ही शासकीय विद्यालय से पढ़कर निकला हूँ। हमारे समय में इतनी सुविधाएं नहीं थीं, लेकिन दृढ़ संकल्प और लगन से हर मंजिल पाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इतनी भव्य स्कूल का होना सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। छात्र अपनी रुचि के क्षेत्र को पहचानें, पूरी ईमानदारी से लक्ष्य की ओर बढ़ें और शासन की सुविधाओं का लाभ उठाकर अपने क्षेत्र व प्रदेश का नाम रोशन करें।

जिले की जरूरतमंद महिलाएं शक्ति दीदी बनकर लिख रहीं हैं महिला सशक्तिकरण की इबारत

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों ने विभिन्न पेट्रोल पंप पर पहुँचकर महिलाओं को बनाया शक्ति दीदी, अब तक 123 जरूरतमंद महिलाएं शक्ति दीदी के रूप में बनीं आत्मनिर्भर, ग्वालियर जिले में महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप हुए ÷शक्ति दीदी÷ नवाचार के तहत जरूरतमंद महिलाएँ पेट्रोल पंपो पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर का मोर्चा संभाल कर आत्मनिर्भर बन रहीं हैं । शनिवार 4 जुलाई को 5 जरूरतमंद महिलायें ÷शक्ति दीदी÷ बनी । जिले में अब तक 123 जरूरतमंद महिलायें शक्ति दीदी नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर हो चुकी हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शनिवार को कमलाराजा हॉस्पिटल के नजदीक स्थित जैन मोटर्स कम्पू पर सुश्री हेमलता, सुश्री ललिता व सुश्री प्रियंका को शक्ति दीदी के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने फूल मालायें पहनाकर शक्ति दीदियों का स्वागत किया। साथ ही शक्ति दीदी की जैकेट पहनाई। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने शक्ति दीदियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सब आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें। जिला प्रशासन व पुलिस आप सबकी मदद के लिये तत्पर है। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालक को भी निर्देश दिए कि शक्ति दीदियों को कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। इस मौके पर सहायक संचालक महिला बाल विकास श्री राहुल पाठक एवं सहायक जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सौरभ जैन भी उपस्थित रहे। इसी तरह गंगा फिलिंग स्टेशन वीरपुर पर अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद ने सुश्री आरती बघेल को एवं सिंहपुर रोड मुरार स्थित माँ पेट्रोलियम पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती जुही गर्ग ने सुश्री मनीषा को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी।

रपटों, पुलों और पुलियों पर पानी होने पर रास्ता पार न करें : कलेक्टर श्री बालागुरू के.

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा काल को देखते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा वर्षा के दौरान किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने से बचें। उन्होंने नागरिकों से कहा है कि रपटों, पुलों एवं पुलियों पर पानी होने की स्थिति में रास्ता पार करने का प्रयास न करें। थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि वर्षा के दौरान नदी, नाले, तालाब, डेम, जलप्रपात (वॉटरफॉल) तथा अन्य जलस्त्रोतों का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। इसलिए नागरिक ऐसे स्थानों पर पिकनिक मनाने अथवा घूमने जाने से बचें। उन्होंने अभिभावकों से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे बच्चों को नदी, तालाब, नालों एवं अन्य जलाशयों में नहाने या खेलने के लिए जाने से रोकें तथा उनकी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी एसडीएम, तहसीलदारों, नगर पालिका सीएमओ तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के नदी-नालों, तालाबों, डेमों, रपटों, पुल-पुलियों, वॉटरफॉल एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी रखें। उन्होंने स्थानीय स्तर पर सतर्कता बनाए रखने, लोगों को समय पर सचेत करने तथा आवश्यकता पड़ने पर जोखिम वाले क्षेत्रों से लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय भरड़ से शाजापुर जिले को मिली दूसरी बार राष्ट्रीय पहचान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले के माध्यमिक विद्यालय भरड को शिक्षा एवं साक्षरता विभाग भारत सरकार द्वारा घोषित स्वच्छ एवं हरित विद्यालय की राष्ट्रीय रेटिंग 2025- 26 में मध्य प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ 10 विद्यालयों में से शाजापुर जिले का एकमात्र विद्यालय शासकीय माध्यमिक विद्यालय भरड़ ने दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की हैं।

उल्लेखनीय है कि स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल है, जिसके अंतर्गत सुरक्षित पेयजल,बाल अनुकूल शौचालय, हाथ धुलाई सुविधा,ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन,वर्षा जल संचयन,ऊर्जा,हरित परिसर विकास,पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली गतिविधियों तथा व्यवहार परिवर्तन आधारित गतिविधियों सहित विभिन्न मानकों पर विद्यालय का मूल्यांकन किया जाता है। प्रदेश की कुल 78149 शालाओं द्वारा स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग अंतर्गत स्वमूल्यांकन प्रक्रिया में सहभागिता की गई थी, जिसमें मध्य प्रदेश के 10 विद्यालयों ने स्वच्छ एवं हरित विद्यालय की राष्ट्रीय रेटिंग 2025- 26 के सभी मानकों को पूर्ण कर लिया है। जिसमें उनमें से शासकीय माध्यमिक विद्यालय भरड़ ने यह उपलब्धि हासिल की है। पूर्व में सत्र 2016- 2017 में भी इस विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका हैं।

एस.एम.सी.ग्रामीण समुदाय प्रधानाध्यापक श्री घनश्याम पाटीदार, वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती शबनम अख्तर, इको क्लब प्रभारी श्री लोकेंद्र शर्मा व विद्यार्थियों के अथक प्रयास एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन से शासकीय माध्यमिक विद्यालय भरड़ ने इस बार भी अपने विद्यालय को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है, जो जिले एवं प्रदेश के लिए एक गौरव का विषय है। भारत सरकार द्वारा मेरिट प्रमाण पत्र के साथ स्वच्छता एवं हरित गतिविधियों के सतत सुदृढ़ीकरण के लिए एक लाख रूपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ विद्यार्थियों का समग्र विकास के लिए अन्य गतिविधि भी संचालित की जा रही हैं। जैसे योग, व्यायाम, खेल के साथ नैतिक शिक्षा अंतर्गत ईमानदारी की दुकान, पक्षियों के लिए दाना बैंक, पेयजल व्यवस्था, अनुशासन, इको क्लब के माध्यम से पेड़ पौधों का संरक्षण, स्वच्छता, पॉलिथीन मुक्त विद्यालय आदि विषयों पर भी विद्यालय स्तर पर गतिविधियां आयोजित होती है।

शिक्षा और संस्कारों से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव - मंत्री श्री कुशवाह

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने शनिवार को माधोगंज स्थित श्री महारुद्र मण्डल समिति एवं अभिनव विद्या मंदिर विद्यालय में विधायक निधि से लगभग 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन शिशु वाटिका, वाहन पार्किंग शेड, प्रसाधन सहित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, श्रेष्ठ संस्कार और बेहतर आधारभूत सुविधाएँ बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं तथा इन क्षेत्रों में निरंतर कार्य करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर दक्षिण क्षेत्र में शिक्षा एवं विकास से जुड़े कार्यों का निरंतर विस्तार करना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना समाज और शासन दोनों की साझा जिम्मेदारी है। विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विकास से विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ और प्रेरणादायी वातावरण मिलेगा, जिससे उनकी प्रतिभा को निखरने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने विद्यालय परिवार द्वारा शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज के उज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं।

इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य श्री यशवंत इंदापुरकर, श्री महारुद्र मण्डल समिति के अध्यक्ष श्री विवेक खेडकर, पार्षद श्री अनिल साँखला एवं श्री मोहित जाट आदी।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, ट्रैक्टर से कुचलने का आरोप; दो घायल जिला अस्पताल पहुंचे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम जावी में पांच आरी जमीन के विवाद ने शुक्रवार को हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक पक्ष के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित पक्ष ने विरोधी पक्ष पर मारपीट, गला दबाने, ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले की शिकायत पुलिस से की गई है।

घायल महेश नायक ने बताया कि उनकी पांच आरी जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि पहले उनकी जमीन पर जेसीबी से खाई खोद दी गई थी, जिसे पुलिस की मौजूदगी में भरवाया गया। इसके बाद जमीन की निशानदेही के दौरान लगाए गए सीमांकन के पत्थरों को भी विरोधी पक्ष ने हटा दिया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो गोविंद बावरी ने उनका गला दबाया और जान से मारने की धमकी दी।

महेश की बहन अवंतिका नायक ने आरोप लगाया कि विवादित जमीन पर ट्रैक्टर चलाकर जबरन बोवनी की जा रही थी। विरोध करने पर ट्रैक्टर चालक ने पहले उन्हें कुचलने का प्रयास किया। इसी दौरान उनके पिता गोपाल नायक बीच-बचाव करने पहुंचे तो ट्रैक्टर उनके पैर पर चढ़ा दिया गया, जिससे उनके पैर में गंभीर चोट आई और फ्रैक्चर हो गया। परिजनों का आरोप है कि ट्रैक्टर चालक शराब के नशे में था तथा मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने भी अभद्रता करते हुए धमकियां दीं। घायल गोपाल नायक ने बताया कि उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही थी। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और ट्रैक्टर चढ़ा दिया गया। घटना के बाद परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई, ट्रैक्टर जब्त करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अरनियाकला में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अरनियाकला शाजापुर में कक्षा 9, 11 एवं 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को ओटीपी साझा न करने, ऑनलाइन स्कैमिंग, बायोमेट्रिक धोखाधड़ी, सिम स्वैप, सिम संबंधी साइबर फ्रॉड तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों से बचाव के उपाय विस्तार से बताए गए। साथ ही विद्यार्थियों को किसी भी अनजान व्यक्ति, फोन कॉल, लिंक, मोबाइल ऐप अथवा सोशल मीडिया संदेश पर बिना सत्यापन के विश्वास न करने तथा किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी, बैंकिंग विवरण, पासवर्ड अथवा बायोमेट्रिक जानकारी साझा न करने की सलाह दी गई। यह भी बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को पुलिस, सीबीआई, बैंक अथवा किसी सरकारी संस्था का अधिकारी बताकर धमकाए या डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाए, तो घबराने के बजाय तुरंत अपने अभिभावकों, विद्यालय अथवा स्थानीय साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए साइबर सुरक्षा से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा संतोषजनक समाधान किया गया। अंत में विद्यार्थियों से सुरक्षित डिजिटल नागरिक बनने तथा साइबर अपराधों के प्रति सदैव सजग रहने का आह्वान किया गया।

यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करने की दिशा में अत्यंत उपयोगी एवं प्रभावी सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक कुमार राजे, पीएम श्री गतिविधि प्रभारी श्री शिवदास पांडेय, वरिष्ठ शिक्षक श्री बी एल. सिंह, कार्यक्रम समन्वयक श्री शहरम तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

ऐतिहासिक घोषणा से सेन समाज में हर्ष की लहर; समाज जनों ने विधायक निवास पहुँचकर साफा पहनाकर व मिठाई खिलाकर किया भव्य स्वागत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय सेन समाज के लिए एक बेहद गौरवशाली और हर्ष का विषय सामने आया है। नीमच विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक माननीय श्री दिलीप सिंह जी परिहार ने समाज के विकास और सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो बड़ी सौगातें दी हैं। इसके साथ ही, विधायक श्री परिहार एवं नगरपालिका के संयुक्त प्रयासों से समाज को एक और महत्वपूर्ण विकास कार्य की सौगात मिली है, जिससे संपूर्ण सेन समाज में उत्साह और खुशी की लहर है।

समाज के विकास के लिए मिलीं ये बड़ी सौगातें

विधायक दिलीप सिंह परिहार एवं नगरपालिका के विशेष सहयोग से सेन समाज के लिए निम्नलिखित विकास कार्यों की स्वीकृति दी गई है-

आधुनिक डोम का निर्माण-स्थानीय सेन वाटिका पर ?15 लाख की लागत से बनने वाले आधुनिक डोम एवं अन्य विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सेन धर्मशाला निर्माण

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल भादवा माता में सेन धर्मशाला निर्माण के लिए ?5 लाख की राशि स्वीकृत की गई है।

इंटर लॉकिंग एवं सीसी रोड-विधायक महोदय की महत्वपूर्ण भूमिका और नगरपालिका के प्रयासों से सेन समाज की सुविधा हेतु इंटर लॉकिंग एवं सीसी रोड की भी शानदार स्वीकृति मिली है।

विधायक निवास पर उमड़ा जनसैलाब, जताया आभार

इस अभूतपूर्व सौगात के मिलने पर दिनांक 2 जुलाई 2026 को शाम ठीक 6:00 बजे समस्त सेन समाज के प्रबुद्धजन और युवा माननीय विधायक महोदय के निवास स्थान (बंगले) पर एकत्रित हुए।

यहाँ समाज जनों द्वारा विधायक दिलीप सिंह परिहार का पारंपरिक साफा पहनाकर, भव्य माल्यार्पण कर और मिठाई खिलाकर आत्मीय अभिनंदन किया गया। समाज के पदाधिकारियों ने इन सभी बड़ी सौगातों, विशेषकर सीसी रोड व इंटर लॉकिंग के प्रयासों के लिए पूरी निष्ठा के साथ विधायक महोदय एवं नगरपालिका प्रशासन का सहृदय आभार व्यक्त किया।

प्रमुख पदाधिकारियों के नेतृत्व में हुआ भव्य सम्मान

यह गरिमामय स्वागत सम्मान कार्यक्रम समाज के प्रमुख स्तंभों के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया श्री सुखलाल सेन (जिला सेन समाज अध्यक्ष नीमच) श्री रमन गहलोत (सेन वाटिका अध्यक्ष नीमच) श्री चमन सेन (जिला युवा अध्यक्ष नीमच)

उपस्थिति- इस ऐतिहासिक अवसर पर सेन समाज के वरिष्ठ नागरिक, जिला पदाधिकारी, जिला युवा पदाधिकारी, तहसील अध्यक्ष, सेन वाटिका के सभी सम्मानीय पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे और कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 31 अक्टूबर तक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स?कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विभाग ने महाविद्यालयों से अधिकाधिक पात्र विद्यार्थियों को योजना से जोड़ने और उनके आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा है। योजना के अंतर्गत कक्षा एक से लेकर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 1,000 रुपये से 25,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। कक्षा एक से चौथी तक के विद्यार्थियों को 1,000 रुपये, कक्षा 5 से 8 तक 1,500 रुपये, कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों को 2,000 रुपये, कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को 3,000 रुपये तथा आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं डिग्री पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को 6,000 रुपये की सहायता दी जाती है। वहीं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को 25,000 रुपये प्रतिवर्ष तक की छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाती है। यह सहायता राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। योजना का लाभ बीड़ी श्रमिकों, लौह अयस्क, मैंगनीज एवं क्रोम अयस्क खदान श्रमिकों, चूना पत्थर एवं डोलोमाइट खदान श्रमिकों के पात्र बच्चों को दिया जाता है।

स्व. गंगाबाई पंवार की पुण्य स्मृति में सेवा का संकल्प, धर्मार्थ कार्यों के लिए लाखों रुपये समर्पित

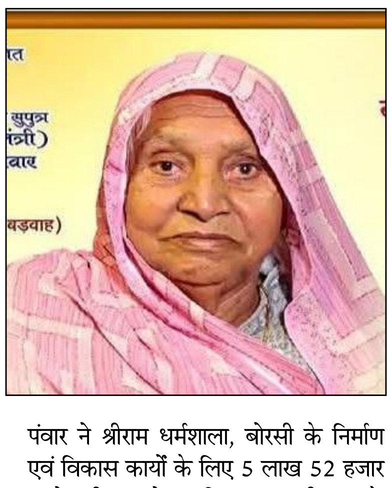

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पूर्व सरपंच स्वर्गीय श्रीमती गंगाबाई पंवार की पुण्य स्मृति में मंगलवार को बोरसी में आयोजित श्रद्धांजलि सभा सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता का प्रेरक आयोजन बन गई। इस अवसर पर परिजनों ने उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए धर्मार्थ एवं जनसेवा कार्यों हेतु लाखों रुपये की सहयोग राशि समर्पित करते हुए उनके अधूरे सपनों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में स्व. गंगाबाई पंवार के सुपुत्र, पूर्व सरपंच एवं भाजपा जिला महामंत्री ठाकुर गुमानसिंह पंवार, पुत्रवधू एवं जनपद पंचायत देपालपुर अध्यक्ष श्रीमती सुशीला गुमानसिंह पंवार तथा पौत्र अर्जुनसिंह एवं राजवीरसिंह पंवार ने श्रीराम धर्मशाला, बोरसी के निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए 5 लाख 52 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। इसके अलावा क्षेत्र के 11 प्रमुख आश्रमों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक धर्मशालाओं को 11-11 हजार रुपये की श्रद्धानिधि भेंट की गई। श्रद्धांजलि सभा में इंदौर, धार और उज्जैन जिलों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक पहुंचे। आयोजन की विशेषता यह रही कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर विभिन्न दलों के नेताओं ने एक मंच से स्व. गंगाबाई पंवार के जनसेवा कार्यों को नमन किया।

स्वर्गीय गंगा बाई को श्रद्धांजलि देने में प्रमुख रूप से जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट,सांसद शंकर लालवानी, पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार,वरिष्ठ भाजपा नेता गोपालजी चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा, वरिष्ठ पत्रकार कमलेश्वर सिंह सिसोदिया सहित नवलसिंह, दिलीपसिंह पंवार, मलखान सिंह ने पुष्पांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि स्व. गंगाबाई पंवार ने अपने सार्वजनिक जीवन में राजनीति को सदैव जनसेवा का माध्यम बनाया। महिलाओं के सशक्तिकरण, गरीबों की सहायता तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उनका योगदान लंबे समय तक प्रेरणा देता रहेगा।

कार्यक्रम का संचालन धनसिंह राठौर ने किया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि एवं संत-महात्माओं के आशीर्वचनों के बीच आयोजित श्रद्धांजलि सभा का वातावरण अत्यंत श्रद्धामय और आध्यात्मिक रहा। उपस्थित जनसमूह ने स्व. गंगाबाई पंवार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सेवा-संस्कारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

मालाबार नीम से चार साल में एक एकड़ से 20 लाख रुपये तक शुद्ध आय की संभावना, किसानों ने जाना खेती का मॉडल

गुना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के दिशा-निर्देशन एवं मार्गदर्शन में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मालाबार नीम की उन्नत खेती विषय पर विशेष कृषक सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के प्रगतिशील किसानों, कृषि उद्यमियों एवं उद्यानिकी क्षेत्र से जुड़े किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर मालाबार नीम की व्यावसायिक खेती की तकनीक एवं आर्थिक संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की।

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ से आए विशेषज्ञों ने बताया कि मालाबार नीम एक तेज़ी से बढ़ने वाला वृक्ष है, जो लगभग चार वर्ष में 40 फीट तक ऊंचाई तथा लगभग 43 इंच घेरा प्राप्त कर लेता है। एक वृक्ष से औसतन तीन से साढ़े चार क्विंटल लकड़ी प्राप्त होती है, जिसकी बाजार में लगभग 700 से 1000 रुपये प्रति क्विंटल तक कीमत मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार 10м6 फीट की दूरी पर एक एकड़ में लगभग 700 पौधे लगाए जा सकते हैं। लगभग 1.75 लाख रुपये की प्रारंभिक लागत के बाद पहले चार वर्षों में करीब 20 लाख रुपये तक शुद्ध आय की संभावना बनती है। उन्होंने बताया कि एक बार लगाए गए पौधों की तीन बार, प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर कटाई की जा सकती है, जिससे 12 वर्षों में लगभग 80 लाख रुपये तक शुद्ध लाभ अर्जित करने की संभावना व्यक्त की गई।

विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि मालाबार नीम की लकड़ी का उपयोग प्लाईवुड, फर्नीचर, पैकेजिंग, माचिस, पेपर उद्योग सहित अनेक औद्योगिक क्षेत्रों में किया जाता है। इसके साथ ही यह पर्यावरण संरक्षण, कार्बन अवशोषण एवं हरित आवरण बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एमपी किसान पोर्टल एवं किसान के संचालन का दिया गया प्रशिक्षण

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में एम पी किसान पोर्टल तथा एम पी किसान एप के उपयोग को सुगम बनाने आज शनिवार को वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारियों एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कृषि विस्तार प्रशिक्षण संस्थान में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण को संबोधित करते हुये उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे ने बताया कि शासन द्वारा किसानों को डिजिटल माध्यम से पारदर्शी और सुनिश्चित लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से सभी कृषि योजनाओं को ऑनलाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को योजनाओं का सीधा और त्वरित लाभ मिल सके, इसके लिए उनका एम पी किसान एप पर सही ढंग से पंजीकृत होना अनिवार्य है। इसी प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए जिले के सभी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन सहायक संचालक कृषि कीर्ति वर्मा, अनुविभागीय कृषि अधिकारी जबलपुर प्रतिभा गौर एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी सिहोरा मनीषा पटेल भी मौजूद थीं।

भोपाल से विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे मास्टर ट्रेनर हरीश बर्वे एवं वृषभान अहिरवार ने अधिकारियों को पोर्टल की कार्यप्रणाली, सर्वर संबंधी समस्याओं के प्रबंधन और डेटा एंट्री की बारीकियों के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया। इस दौरान अधिकारियों की तकनीकी शंकाओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

साइबर जागरूकता मैराथन में हजारों लोगों ने लिया भाग, आईजी एवं एसएसपी ने दिलाया सुरक्षित डिजिटल समाज का संकल्प

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी विशेष साइबर जागरूकता अभियान ''सेफ क्लिक 2.0÷ के अंतर्गत शनिवार को ग्वालियर पुलिस द्वारा रोटरी क्लब ग्वालियर एवं भारत विकास परिषद, शाखा ऋषि गालव के सहयोग से जिला खेल परिसर, कंपू से विशाल साइबर जागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया। साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सुरक्षित डिजिटल समाज बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज श्री अरविंद सक्सेना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुजावल सिंह जग्गा द्वारा जिला खेल परिसर कंपू से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर डीएसपी यातायात श्री अजीत सिंह चौहान व पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, रोटरी क्लब एवं भारत विकास परिषद के पदाधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

आईजी श्री अरविंद सक्सेना ने कहा कि आज साइबर अपराध पारंपरिक अपराधों से कहीं अधिक तेजी से बढ़ रहे हैं और अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी हथियार है। यदि नागरिक सतर्क रहें, किसी भी अज्ञात कॉल, लिंक, ओटीपी, क्यूआर कोड अथवा निवेश संबंधी लालच में न आएं तो अधिकांश साइबर अपराधों को रोका जा सकता है।

एसएसपी श्री धर्मवीर सिंह ने कहा कि ''सेफ क्लिक 2.0'' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज को डिजिटल रूप से सुरक्षित बनाने का जन आंदोलन है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने घर और परिवार की सुरक्षा का ध्यान रखते हैं, उसी प्रकार अपनी डिजिटल पहचान और बैंकिंग जानकारी की सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज को भी साइबर अपराधों से बचाव के लिए प्रेरित करें। करीब 3 से 4 किलोमीटर की मैराथन जिला खेल परिसर, कंपू से प्रारंभ होकर आमखो मेडिकल कॉलेज चौराहा, शीतला सहाय चौराहा, माधव डिस्पेंसरी रोड़, नया बाजार चौराहा, केआरजी कॉलेज से गुजरते हुए पुनः जिला खेल परिसर पर संपन्न हुई।

नगर के डॉ अंबेडकर मांगलिक भवन पर सम्मान एवं मिलन समारोह का आयोजन किया

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट टेन्ट, लाईट, केटरिंग, साउण्ड, फ्लावर, जनरेटर एसोसिएशन व्दारा शनिवार को नगर के डॉ अंबेडकर मांगलिक भवन पर सम्मान एवं मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक डॉ चिंतामणी मालवीय थे एवं विशेष अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि कालूसिंह परिहार, फेडरेशन ऑफ एमपी टेन्ट एसोसिएशन के महासचिव राजेश हार्डिया इंदौर, संभागीय अध्यक्ष समीर उल हक उज्जैन, उपाध्यक्ष आशुतोष वशिष्ठ रतलाम, सचिव संदीप बोथरा रतलाम, टेन्ट एसोसिएशन रतलाम अध्यक्ष अनोखीलाल दख आदि उपस्थित थे ।

अतिथियों का परिचय कर्णपालसिंह सिसोदिया ने दिया, जबकि स्वागत-सम्मान - इस अवसर पर विधायक डॉ मालवीय ने कहा कि आज के समय मे किसी भी कार्यक्रम, उत्सव में टेन्ट सहित साउण्ड सिस्टम का होना अनिवार्य हो गया है, इसके माध्यम से लाईट, डेकोरेशन सहित अन्य कार्यो से कई लोगों को काम भी मिलता है, यह व्यवसाय भी छोटा उधोग ही है। विवाह सीजन, गणेश उत्सव, नवदुर्गा उत्सव सहित छोटे-बडे आयोजनों इनकी मांग और बढ जाती है। एसोसिएशन की लीज या सस्ते दर पर भूमि आवंटन की मांग पर उन्होंने आश्वस्त किया की इस हेतु प्रयास करेंगे और विधानसभा मे भी बात रखूंगा। कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन राकेश चौहान ने एवं आभार अशोक पाठक ने। इसके अतिथियों ने नगर परिषद कार्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम में पौधे लगाए। जबकि कार्यक्रम में एसोसिएशन के सदस्यों पौधे लगाए गए वही आलू टेंट आइट संगठन के अध्यक्ष करणपाल सिंह सिसोदिया उपाध्यक्ष अशोक पाठक राजू पठान कोषाध्यक्ष शैख आबिद हुसैन सचिन बूरहान बोहरा सचिव राकेश चौहान सह सचिव सद्दाम शेख शाहिद बशीर भाई शकील मुल्तानी अकबर बोरा सहित कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे फेडरेशन के सदस्य चांद मोहम्मद मंसूरी अशोक पाठक अभी दूसरे राशिद भाई लाल सद्दाम हुसैन बशीर भाई मजाक मंसूरी शकील मुल्तानी जीतू लोहा अकबर हुसैन जीतू सोलंकी वसीम भाई आशिक हुसैन राजू शर्मा दशरथ शर्मा धरोला शकील पठान सुरेंद्र सिंह सिसोदिया रफीक्षा फिरोज भाई मंसूरी राजू भाई मुल्तानी जाकिर मंसूरी कुलदीप जैन सदन सिंह अखिल पठान प्रमोद जैन भागीरथ माली प्रशांत सिसोदिया अब्बास हुसैन नियाजी गोपाल मालवीय गजेंद्र सिंह सिसोदिया शंकर लाल मालवीय जाकिर मुल्तानी प्रधान सिंह परिहार ईश्वर सिंह न्यूज़ वाले विनय पारीक जमीन ट्रेलर प्रताप सिंह कलोल बाबू हुसैन बोरा सहित कई वरिष्ठ लोक मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन राकेश चौहान ने किया आभार अशोक पाठक ने माना ज्ञापन का वचन संगठन के उपाध्यक्ष अशोक पाठक ने वाचन किया साथी सभी आलोट क्षेत्र के व्यापारियों ने इस कार्यक्रम में तन मन से सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

श्रीमती प्रतिभा एवं शरद जैन की वैवाहिक वर्षगांठ पर शुभकामनाओं का लगा तांता

राजेश गेलड़ा मित्र मंडल ने किया आत्मीय सम्मान

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाजसेवा, जीवदया एवं धार्मिक गतिविधियों के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले वरिष्ठ समाजसेवी शरद जैन एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रतिभा जैन की वैवाहिक वर्षगांठ पर दिनभर शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। शहर के गणमान्य नागरिकों, जैन समाज के वरिष्ठजनों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, इष्ट-मित्रों, रिश्तेदारों एवं शुभचिंतकों ने दूरभाष, सोशल मीडिया तथा व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर दंपति को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

इसी क्रम में राजेश गेलडा के नेतृत्व में उनके मित्र मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल शरद जैन के निवास पर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थानी परंपरा के अनुरूप शरद जैन का राजस्थानी साफा, शॉल एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया तथा दंपति को मिठाई खिलाकर वैवाहिक वर्षगांठ की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दंपति के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, दीर्घायु एवं सुखद दांपत्य जीवन की कामना करते हुए समाजसेवा एवं जीवदया के क्षेत्र में शरद जैन द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि शरद जैन अपनी सरलता, सौम्यता, मिलनसार व्यक्तित्व तथा सेवा भावना के कारण जैन समाज ही नहीं, बल्कि सर्वसमाज में भी विशेष सम्मान प्राप्त करते हैं। वर्षों से वे सामाजिक, धार्मिक एवं मानवीय सेवा कार्यों में सक्रिय रहकर समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

इस अवसर पर सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दंपति का जीवन सदैव खुशहाल, स्वस्थ एवं समृद्ध रहे तथा वे इसी प्रकार समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों में निरंतर योगदान देते रहें।

इस अवसर पर उपस्थित रहे– मनीष चपलोत, राजेश सकलेचा, राजेश गेलडा,अमित बम, रितेश नागदा, सुरेंद्र काकरिया, मुकेश घोका, चिमन काठेड, हितेश काठेड, मयंक चपलोत, जितेंद्र पोखरना, मनीष ओरा, अंकुर जैन, कमल जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

देपालपुर के किसान मनोहर गेहलोत द्वारा खरीदे गए सोयाबीन बीज के अंकुरण नहीं होने से उन्हें भारी नुकसान हुआ

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर किसान ने अपनी समस्या को लेकर कई बार संकल्प रिटेल स्टोर के चक्कर लगाए, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई उचित ध्यान नहीं दिया गया। अंततः निराश होकर किसान ने भारतीय किसान एवं मजदूर सेना के पदाधिकारियों से संपर्क किया। भारतीय किसान एवं मजदूर सेना के प्रदेश अध्यक्ष बबलू जाधव, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल, प्रदेश सचिव चंदन सिंह बड़वाया एवं जिला अध्यक्ष प्रवीण ठाकुर के हस्तक्षेप के बाद किसान को नया बीज उपलब्ध कराया गया, जिससे उसे राहत मिली। संगठन ने कहा कि किसानों को अमानक एवं खराब बीज बेचकर आर्थिक नुकसान पहुंचाना गंभीर मामला है। ऐसे बीज विक्रेताओं एवं संबंधित कंपनियों पर कृषि विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी विक्रेता किसानों के साथ धोखाधड़ी करने का साहस न कर सके। साथ ही बीज के नमूनों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने किया एसआईआरडी भाग-2 का निरीक्षण

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को करमेता स्थित राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) भाग-2 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री श्री पटेल ने एसआईआरडी भाग-2 के भवन, परिसर एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन में बने विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। साथ ही परिसर में सड़क, बाउंड्रीवॉल एवं अन्य विकास कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री श्री पटेल ने परिसर में अधिक से अधिक पौधे लगाने और पहले से लगाए गए पौधों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान परिसर को ग्रीन कैंपस के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि परिसर का वातावरण स्वच्छ, सुंदर और हराभरा बना रहे। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री पटेल ने परिसर की साफ-सफाई, हरियाली के रखरखाव तथा अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सभी की जिम्मेदारी है और इस दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए।

संभागायुक्त द्वारा डिंडोरी जिले के आकांक्षी विकास खण्ड बजाग का सघन दौरा

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने डिंडौरी जिले के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य विकासखण्ड बजाग में सघन भ्रमण कर शासन की विभिन्न योजनाओं/गतिविधियों का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान हाईस्कूल सरवाही और आयुष्मान आरोग्य मंदिर हर्रा टोला का निरीक्षण किया। सरवाही में उन्होंने विद्यार्थियों से उनके शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी लेकर शैक्षणिक गुणवत्ता का आकलन किया तथा विद्यार्थियों से कहा कि वे नियमित पठन पाठन करें। हर्रा टोला में आयुष्मान आरोग्य मंदिर में दवाईयों की उपलब्धता व एवं वितरण पंजी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा हर्रा टोला में ही सहकारी संस्था का निरीक्षण कर खाद वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। संभागायुक्त श्री सिंह ने मझियाखार में कृषक श्री जीतेन्द्र साहू द्वारा की जा रही जैविक उद्यानिकी मॉडल का अवलोकन किया।

महावीर स्कूल के कॉमर्स विद्यार्थियों का नागेश्वर जैन तीर्थ का शैक्षणिक भ्रमण

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल, आलोट के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के वाणिज्य विद्यार्थियों का श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन तीर्थ, उन्हेल का शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के साथ-साथ Fundamentals of Management के व्यावहारिक पक्ष को समझाना था।

विद्यार्थियों ने भगवान श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ के दर्शन-पूजन कर तीर्थ के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व को जाना तथा आचार्य श्री मुक्तिसागर जी महाराज के प्रेरणादायी प्रवचनों का श्रवण किया। आचार्य श्री ने विद्यार्थियों को संस्कार, चरित्र, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय समिति के श्री धर्मचंद जी जैन, श्री सिरेमल जी भंडारी, श्री चांदमल जी जैन एवं श्री पारसमल जी जैन सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने तीर्थ की सुव्यवस्थित व्यवस्था, समय प्रबंधन, सेवा-भाव, संसाधन प्रबंधन एवं नेतृत्व प्रणाली का अवलोकन कर प्रबंधन के सिद्धांतों को व्यवहारिक रूप से समझा। उन्होंने श्री राजेन्द्र सूरी दादावाड़ी, श्री जीन कुशल दादावाड़ी एवं श्री हिंग्कार सूरी दादावाड़ी के दर्शन कर जैन संस्कृति एवं परंपरा की जानकारी प्राप्त की।

श्री धर्मचंद जी जैन ने विद्यार्थियों के प्रबंधन संबंधी प्रश्नों के उत्तर व्यवहारिक उदाहरणों से दिए। इस दौरान विरेंद्र सर, पल्लवी मैडम, पुष्कर सर, प्रीति मैम एवं रिक्की सर ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए प्रबंधन की व्यावहारिक अवधारणाओं को सरल ढंग से समझाया।

विद्यालय परिवार ने बताया कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता एवं सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृतियों को संजोना राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी : मंत्री श्री पटेल

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस केंद्रीय जेल, जबलपुर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं लोकमत पत्र समूह के संस्थापक स्वर्गीय जवाहरलाल दर्डा की स्मृति में निर्मित होने वाले ÷स्वतंत्रता सेनानी जवाहरलाल दर्डा सभा भवन÷ का शिलान्यास किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक श्री अशोक रोहाणी थे एवं अध्यक्षता लोकमत समूह के एडिटर इन चीफ, पूर्व उद्योग मंत्री महाराष्ट शासन श्री राजेंद्र दर्डा ने की।

इस अवसर पर लोकमत समूह के श्री अशोक जैन, इंजी. अंशुमन शुक्ला, जेल अधीक्षक श्री अखिलेश तोमर सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में बंदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को केवल इतिहास तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि नई पीढ़ी तक उनकी प्रेरणा पहुंचाना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जबलपुर का स्वतंत्रता आंदोलन में विशेष योगदान रहा है। राष्टीय ध्वज आंदोलन से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन की अनेक महत्वपूर्ण घटनाएं इस शहर से जुड़ी हैं।

भूमि विवाद समाधान शिविर में 25 शिकायतें पहुंचीं, 6 का मौके पर हुआ निराकरण

नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी और राजस्व अमले की मौजूदगी में दो मामलों का तत्काल समाधान, फरियादियों ने जताया संतोष

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भूमि संबंधी विवादों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से आयोजित विशेष भूमि विवाद समाधान शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। शिविर में कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कर संबंधित पक्षों को राहत प्रदान की गई।

शिविर के दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा आवश्यक दस्तावेजों एवं तथ्यों का परीक्षण कर कई मामलों का तत्काल समाधान कराया। इससे लोगों को न्यायालयों और कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिली।

शिविर में जावरा स्टेशन रोड निवासी महेंद्र कुमार शर्मा (पिता बद्रीलाल शर्मा) तथा ग्राम ठिकरिया निवासी मांगीलाल चंद्रवंशी (पिता मोतीलाल चंद्रवंशी, उम्र 35 वर्ष) के भूमि विवादों का त्वरित निराकरण किया गया। दोनों फरियादियों ने समाधान पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रशासन की पहल की सराहना की।

शिविर में नायब तहसीलदार भगवान सिंह ठाकुर, थाना प्रभारी संतोष चौरसिया तथा पटवारी सलीम मंसूरी सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि भूमि विवादों का समयबद्ध और निष्पक्ष निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है तथा भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित कर आमजन को शीघ्र न्याय उपलब्ध कराया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारी संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहकारी सप्ताह वर्ष 2026 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर बहुद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित, ढेकलबड़ी परिसर में एक दिवसीय सहकारी संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन को सुदृढ़ बनाना, किसानों को विभिन्न सहकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी उपायुक्त सहकारिता, जिला झाबुआ श्री राजेंद्र सिंह कनेश तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, झाबुआ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आरजू इकबाल खान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा संस्था परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर किया गया। इसके उपरांत आयोजित सहकारी संगोष्ठी में नवीन सदस्यों का स्वागत किया गया तथा पात्र हितग्राहियों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) वितरित किए गए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र सिंह कनेश ने कहा कि सहकारिता का मूल मंत्र ÷एक सबके लिए, सब एक के लिए÷ है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाएं (पैक्स) ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं तथा शासन की मंशा है कि प्रत्येक किसान डिजिटल रूप से सक्षम बनकर सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो। उन्होंने उपस्थित किसानों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की।

विशिष्ट अतिथि एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आरजू इकबाल खान ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारी बैंक सदैव किसानों के कल्याण एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों से समय पर ऋण अदायगी करने तथा आधुनिक बैंकिंग तकनीकों को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि सहकारी संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण से ही ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास संभव है।

कार्यक्रम में सहकारी निरीक्षक श्री रविंद्र सोलंकी, बैंक के प्रबंधक (प्रशासन) श्री विधान कनेश, प्रधान कार्यालय से श्री हेमंत नीमा, श्री बी.एस. नायक, श्री राजेश राठौर, श्री मनोज कोठारी, शाखा प्रबंधक श्री के.के. नायक, प्रबंधक ढेकलबड़ी, संस्था के कर्मचारीगण एवं क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जिला सहकारी संघ के प्रबंधक द्वारा सभी अतिथियों, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों एवं उपस्थित किसान भाइयों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

अतिवृष्टि एवं बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिए जिले के नगरीय निकायों में कंट्रोल रूम स्थापित, हेल्पलाइन नंबर जारी

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़वानी जिले में वर्षा ऋतु के मद्देनजर संभावित बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में जिले के समस्त नगरीय निकायों में आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम स्थापित कर नोडल अधिकारी, सहायक एवं वार्ड प्रभारियों की नियुक्तियां की गई हैं, जो 24 घंटे सतर्क रहेंगे। नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी आपातकालीन स्थिति, जलभराव या बाढ़ की समस्या होने पर अपने संबंधित क्षेत्र के कंट्रोल रूम नंबरों पर तुरंत सूचना दें। विभिन्न नगरीय निकायों द्वारा जारी की गई हेल्पलाइन एवं जिम्मेदार अधिकारियों की सूची इस प्रकार है।

1.नगर पालिका परिषद बड़वानी मुख्य जिला मुख्यालय नगर पालिका में सघन मॉनिटरिंग के लिए विस्तृत दल गठित है। बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम प्रभारी श्री शिवशंकार राठौर (9893618728) एवं श्री मनोज बंधोकर (9926687563) ऽ जल भराव अवरोधक नियंत्रण प्रभारी श्री बलदेव सिंह ठाकुर (9584060875) एवं श्री रामकरण डावर (9174361255) ऽ वार्ड प्रभारी वार्ड 1 से 24 तक के नागरिकों की सहायता हेतु श्री विनोद शिंदे, श्री योगेश चौहान, श्री राकेश टांके, श्री मनीष बाली, श्री विनोद चौहान, श्री दीपक ऊँटवाल एवं श्री विशाल चौहान को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

2. नगर परिषद पलसूद अतिवृष्टि एवं गोई नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए 24 घंटे अलर्ट मोड पर आपदा प्रबंधन दल का गठन किया गया है । नोडल अधिकारी श्री गजेन्द्र मांझी (सहा. ग्रेड 03) 9752352453 ऽ सहायक श्री रूपेश मेहरे (सफाई दरोगा) 9165551009 श्री विशाल डुडवे (सहा. दरोगा) 9713912194 वार्ड शिफ्ट ड्यूटी (सुबह 06 से दोपहर 02), श्री अर्जुन डुडवे (8889626422), श्री विनोद गोजे (9713572721) ऽ वार्ड शिफ्ट ड्यूटी (दोपहर 02 से रात्रि 08), श्री मोनु सेमल (8817689318), श्री राहुल डुडवे (8815060574) 3. नगर परिषद निवाली बुजुर्ग नागरिक जागरूकता अभियान के तहत जलभराव की स्थिति में संपर्क करने हेतु निम्नलिखित सूची जारी की गई है। प्रमुख संपर्क सूत्र श्री लोकेंद्र भिड़े (8305859911), श्री केतराम ब्राह्मणे (9424057142), श्री शुभम राठौड़ (9981707463), श्री दिनेश जाधव (8964831555), श्री राकेश सोलंकी (9754373075) सहित अन्य कर्मी।

संस्था स्तर की काउंसलिंग हेतु पंजीयन प्रारंभ

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा जारी ऑनलाइन काउंसलिंग समय-सारणी (सत्र 2026-27) के अनुसार शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी में संस्था स्तर की काउंसलिंग (ष्टरु) के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया 4 जुलाई 2026 से प्रारंभ होकर 12 अगस्त 2026 तक चलेगी। इसके अंतर्गत इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथियों में ऑनलाइन पंजीयन कर महाविद्यालय में प्रवेश का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री कमलेश गुप्ता ने जिले एवं आसपास के सभी जिलों के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में तकनीकी शिक्षा से जुड़ने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि संस्था स्तर की काउंसलिंग के माध्यम से रिक्त सीटों पर मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश नोडल अधिकारी श्री तानिलाल ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था स्तर की काउंसलिंग के अंतर्गत प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को प्रातः 10.30 बजे से सायं 6.30 बजे तक प्रवेश की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पंजीयन के उपरांत आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय में उपस्थित होना होगा। उन्होंने बताया कि संस्था स्तर की काउंसलिंग के पश्चात यदि सीटें रिक्त रहती हैं, तो 13 एवं 14 अगस्त 2026 को अंतिम चरण में भी प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी। अतः ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने अभी तक किसी भी पॉलीटेक्निक संस्थान में प्रवेश नहीं लिया है, वे इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएं। महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तथा सिविल इंजीनियरिंग शाखाओं में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, अनुभवी प्राध्यापक, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय तथा शासन की विभिन्न छात्रवृत्ति एवं अन्य सुविधाएँ उपलब्ध हैं। प्रवेश सहायक श्री संजय परमार एवं श्री देवेंद्र राठौड़ ने बताया कि प्रवेश संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए विद्यार्थी कार्य दिवसों में महाविद्यालय में संपर्क कर सकते हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने बड़वानी, खरगोन, धार, अलीराजपुर, झाबुआ आदी।

उद्यानिकी विभाग की पहल से बदली किसान की तस्वीर

नींबू फलोंउद्यान से बढ़ी आय, आर्थिक रूप से सशक्त हुए कृषक श्री शंकर हेमराज पाटीदार

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित फलोंउद्यान योजनाएं जिले के किसानों के लिए आय संवर्धन का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रहे हैं। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण विकासखंड पेटलावद के ग्राम अलस्याखेड़ी निवासी कृषक श्री शंकर हेमराज पाटीदार हैं, जिन्होंने उद्यानिकी विभाग की फलोंउद्यान योजना के अंतर्गत नींबू फलोंउद्यान स्थापित कर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

श्री शंकर हेमराज पाटीदार के पास लगभग 0.40 हेक्टेयर कृषि भूमि है। पूर्व में वे अपनी भूमि पर मुख्य रूप से गेहूं की खेती करते थे। गेहूं की खेती से उन्हें लगभग 18 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था। इस फसल पर लगभग 18 हजार रुपये की लागत आती थी तथा कुल आय लगभग 46 हजार 800 रुपये होती थी। सभी खर्चों के बाद उन्हें लगभग 28 हजार 800 रुपये की शुद्ध आय प्राप्त होती थी, जिससे परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन था।

इसी दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें फलोंउद्यान योजना की जानकारी दी गई तथा नींबू की व्यावसायिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग से उन्होंने अपनी 0.40 हेक्टेयर भूमि पर नींबू फलोंउद्यान स्थापित किया। इस कार्य के लिए उन्हें 1 लाख 43 हजार 550 रुपये का अनुदान प्रदान किया गया।

आज श्री शंकर हेमराज पाटीदार का नींबू फलोंउद्यान बेहतर उत्पादन दे रहा है। वर्तमान में उन्हें लगभग 100 क्विंटल नींबू उत्पादन प्राप्त हो रहा है। इस उत्पादन पर लगभग 50 हजार रुपये की लागत आती है, जबकि उन्हें लगभग 2 लाख रुपये की कुल आय प्राप्त हो रही है। इससे उनकी आय में कई गुना वृद्धि हुई है तथा उनकी आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में कहीं अधिक सुदृढ़ हुई है।

श्री शंकर हेमराज पाटीदार बताते हैं कि उद्यानिकी विभाग की योजना और तकनीकी मार्गदर्शन ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। नींबू की खेती से उन्हें नियमित एवं बेहतर आय प्राप्त हो रही है। अब वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को आसानी से पूरा कर पा रहे हैं तथा भविष्य में फलोंउद्यान के क्षेत्र का विस्तार करने की भी योजना बना रहे हैं।

वे अन्य किसानों से भी आग्रह करते हैं कि वे पारंपरिक खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाएं और शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आय में वृद्धि करें। श्री शंकर हेमराज पाटीदार की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि उद्यानिकी आधारित खेती किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि का एक सशक्त माध्यम बन सकती है।

स्वच्छता ही सेवा का संदेशः कलेक्टर कार्यालय परिसर में अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

स्वच्छ, सुंदर एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति के निर्माण का लिया संकल्प

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं स्वच्छ कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्टर कार्यालय परिसर झाबुआ में विशेष स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में आयोजित इस अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए परिसर की साफ-सफाई की तथा स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर कार्यालय परिसर की सफाई की। इसके पश्चात उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने अपने कार्यस्थल एवं आसपास के वातावरण को सदैव स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण न केवल कार्य क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि सकारात्मक सोच एवं स्वस्थ जीवनशैली को भी प्रोत्साहित करता है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे नियमित रूप से स्वच्छता गतिविधियों में भाग लें तथा सप्ताह में कुछ समय श्रमदान के लिए अवश्य समर्पित करें।

कलेक्टर ने कहा कि जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छता के लक्ष्य को स्थायी रूप से प्राप्त किया जा सकता है। स्वच्छता के प्रति व्यक्तिगत जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता से ही स्वच्छ, सुंदर और विकसित समाज का निर्माण संभव है।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

किसानों को नवीन तकनीक, नवाचार एवं विविधीकृत कृषि से लाभान्वित करने पर जोर, शासन की कृषक कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी मैदानी क्रियान्वयन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में कृषि एवं कृषि से संबद्ध विभागों की समीक्षा एवं रणनीतिक कार्ययोजना बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के कृषिगत क्षेत्रों के टिकाऊ विकास, किसानों की आय में वृद्धि, आधुनिक तकनीकों के विस्तार तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आगामी रणनीति एवं कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने उपस्थित कृषि एवं संबद्ध विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागों में संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु आगामी रणनीति एवं कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे निर्धारित समय सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि शासन की कृषक कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक किसान इन योजनाओं से लाभान्वित हो सकें।

बैठक में खरीफ मौसम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अलनीनो की संभावित परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कम अवधि एवं सूखा सहनशील फसल किस्मों के बीजों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आकस्मिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि में नमी संरक्षण के उपायों को बढ़ावा देने, किसानों को नवीन एवं उन्नत कृषि तकनीकों तथा नवाचारों से जोड़ने और कृषि क्षेत्र में आधुनिक पद्धतियों को अपनाने पर विशेष जोर दिया, जिससे किसानों की अतिरिक्त आय सृजित की जा सके।

कलेक्टर ने खरीफ मौसम में किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए ई-टोकन जनरेशन प्रणाली को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही मिट्टी के नमूनों का समय पर विश्लेषण कर किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराने तथा फार्मर आईडी के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में उद्यानिकी क्षेत्र को जिले में आय संवर्धन का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए उद्यानिकी करने वाले किसानों के मध्य उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में उद्यानिकी फसलों के रकबे को शत-प्रतिशत गिरदावरी में दर्ज किया जाए तथा उद्यानिकी फसलों के विस्तार के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। उच्च मूल्य वाली फसलों के उत्पादन एवं विस्तार के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करने तथा पीएमएफएमई योजनांतर्गत अधिक से अधिक किसानों के प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उद्यानिकी फसलें करने वाले किसानों का चयन कर उन्हें प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया।

उन्होंने संरक्षित खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुष्प, ब्लू बेरी एवं अन्य उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों के यहां कृषकों के भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि जिले के किसान उन्नत कृषि तकनीकों एवं नवाचारों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

बैठक में पशुपालन विभाग को दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए। साथ ही भीर सागर ग्रामों में अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर किसानों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने पर जोर दिया गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के अंतर्गत मिल्कशेड क्षेत्रों में अक्रियाशील समितियों के स्थान पर दुग्ध उत्पादन गतिविधियों को पुनर्जीवित करने एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त गौशालाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विकास के साथ गोबर एवं गोमूत्र के वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा देकर किसानों की अतिरिक्त आय सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने मत्स्य उत्पादन, विपणन, मूल्य संवर्धन तथा संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम स्तर पर उपयुक्त तालाबों का चयन कर वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन गतिविधियों का विस्तार करने तथा अधिक से अधिक ग्रामीणों को इस क्षेत्र से जोड़ने पर जोर दिया।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया गया कि जिले में उपलब्ध समस्त कृषि यंत्रों को सामान्य किसानों को किराये पर सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराया जाए, जिससे छोटे एवं सीमांत किसान भी आधुनिक कृषि यंत्रों का लाभ प्राप्त कर सकें।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, उप संचालक कृषि श्री एस.एस. चौहान, परियोजना संचालक आत्मा श्री जी.एस. त्रिवेदी, सहायक आयुक्त सहकारिता श्री राजेन्द्र सिंह कनेश, उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. दिवाकर, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री एम.एस. मुजाल्दा, कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ. जगदीश मौर्य, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक के अधिकारी, शाखा प्रबंधक, सहायक संचालक मत्स्य, सहायक कृषि यंत्री तथा कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता सहित विभिन्न संबद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भवती विद्यालय में मनाया गया डिजिटल डे

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवती में विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा एवं आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से डिजिटल डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य असलम खान ने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल तकनीक का युग है और आज अधिकांश शासकीय एवं शैक्षणिक कार्य ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हो रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए कंप्यूटर ज्ञान एवं डिजिटल साक्षरता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर स्वयं को कंप्यूटर संचालन में दक्ष बनाने का आह्वान किया। मेगा अपार दिवस की सफलता की कहानी बताते हुए उन्होने बताया कि हम सभी पालको को अपार हेतु जागरूक करने में सफल रहे है ,दर्ज 293 मे से 290 विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाई जा चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिलॉकर का महत्व समझाते हुए बताया कि आधार कार्ड, अंकसूची, समग्र आईडी, जाति, आय एवं निवास प्रमाण-पत्र, जन्म प्रमाण-पत्र सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज़ डिजिलॉकर में सुरक्षित रखे जा सकते हैं। इससे आवश्यकता पड़ने पर केवल मोबाइल से लॉगिन कर कभी भी और कहीं भी दस्तावेज़ आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं।डिजिलॉकर में उपलब्ध दस्तावेज़ सरकार द्वारा सत्यापित होते हैं, इसलिए उनकी विश्वसनीयता भी अधिक होती है तथा अनेक शासकीय एवं शैक्षणिक कार्यों में उनकी डिजिटल प्रति मान्य होती है। प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को अपार आईडी के महत्व से भी अवगत कराया। उन्हे बताया गया कि अपार प्रत्येक विद्यार्थी की स्थायी डिजिटल शैक्षणिक पहचान है। जिससे विद्यालय परिवर्तन, छात्रवृत्ति, प्रवेश तथा अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाएँ अधिक सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनती हैं।

सहकारिता से समृद्धि का सपना होगा साकार - श्री दिलीप पाटील

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सहकारिता के मूल मंत्र बिन संस्कार नहीं सहकार, बिन सहकार नहीं उद्धार को आत्मसात करते हुए सहकार भारती जिला बड़वानी द्वारा शनिवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा बड़वानी के परिसर में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली समितियों एवं उन्नत कृषकों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि सहकार भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री दिलीप पाटील एवं मालवा प्रांत संगठन मंत्री श्री धर्मेंद्र दांगी ने कहा कि सहकारिता भारतीय संस्कृति का मूल भाव है। प्रधानमंत्री के सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने में सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसान, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और समाज को नई शक्ति मिलती है तथा बिन सहकार नहीं उद्धार का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओम यादव, अध्यक्ष, एफपीओ, आदिम जाति सहकारी संस्था, बड़वानी ने की। विशिष्ट अतिथि सुश्री आशा कुमरावत, प्रदेश सह महिला प्रमुख, सहकार भारती श्री राजेंद्र भावसार, जिला पैक्स प्रमुख सहकार भारती तथा संगीता लोह, जिला महिला प्रमुख, सहकार भारती उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकार भारती गीत से हुआ, जिसका नेतृत्व आशा कुमरावत ने किया। मनोज यादव ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सहकारिता आंदोलन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

आयुष्मान भारत, सिकल सेल एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित आयुष्मान भारत, सिकल सेल एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जिले में लंबित 2 लाख 50 हजार से अधिक पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड निर्माण की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने प्रतिमाह न्यूनतम 20 हजार आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए इसकी प्रति सप्ताह समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय एवं अधिकृत निजी अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र मरीजों को लाभान्वित किया जाए। साथ ही, वय वंदन योजना के अंतर्गत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड शत-प्रतिशत बनाने के निर्देश भी दिए गए।

सिकल सेल कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले में शत-प्रतिशत सिकल सेल स्क्रीनिंग, उपचार एवं सामाजिक लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिले में चिन्हित लगभग 1950 सिकल सेल पॉजिटिव मरीजों के उपचार, दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने तथा पात्र हितग्राहियों की पेंशन प्रारंभ कराने की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिले के सभी अस्पतालों में सिकल सेल मरीजों के लिए कम से कम एक बिस्तर आरक्षित रखने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त सभी गर्भवती महिलाओं की सिकल सेल स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से कराकर उसकी जानकारी अनमोल पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। सिकल सेल रोगियों के हित में विशेष अभियान संचालित करने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य संस्थाओं में आने वाले टीबी के संभावित मरीजों की खखार जांच निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। मेघनगर विकासखंड में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर संबंधित बीएमओ द्वारा एसटीएलएस स्तर पर लापरवाही की जानकारी देने पर कलेक्टर ने संबंधित एसटीएलएस को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही निजी अस्पतालों द्वारा टीबी मरीजों की नोटिफिकेशन संख्या कम पाए जाने पर संबंधित संस्थाओं को पत्र जारी करने तथा प्रगति में सुधार नहीं होने पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आयुष्मान भारत कार्यक्रम, सिकल सेल कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित सभी संकेतकों पर गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनमोल 2.0 पोर्टल के डैशबोर्ड एवं विभिन्न रिपोर्ट मॉड्यूल के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

बैठक में स्वास्थ्य नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रितिका पाटीदार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एल. चोपड़ा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र भायल, सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. संदीप चोपड़ा, क्षय नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र बामनिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हेमंत देवड़ा, डीपीएम आर.आर. खन्ना, सीपीएचसी सलाहकार कैलाश चरपोटा, डाटा मैनेजर सोनल कुमार नीमा सहित बीएमओ, बीपीएम, बीसीएम, एसटीएस, एसटीएलएस एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

श्रावण में महाकाल के दरबार तक पहुंचना होगा आसान

इस बार खुलेंगे दो प्रवेश द्वार- 30 जुलाई से शुरू हो रहे श्रावण-भादौ महोत्सव की तैयारियां तेज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण-भाद्रपद महोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस बार मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए बड़ा बदलाव किया है। पहली बार सामान्य दर्शनार्थियों को दो अलग-अलग प्रवेश द्वारों से मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा, ताकि लंबी कतारों और धक्का-मुक्की से राहत मिल सके।

मंदिर प्रशासन ने महाकाल महालोक के साथ ही रुद्रसागर क्षेत्र से नया प्रवेश मार्ग तैयार किया है। कांवड़ यात्रियों के लिए जलाभिषेक और दर्शन की अलग व्यवस्था भी बनाई जा रही है। अनुमान है कि श्रावण माह में देशभर से लाखों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचेंगे। इसे देखते हुए सुरक्षा, बैरिकेडिंग, कतार प्रबंधन और सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। 30 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावण-भाद्रपद महोत्सव के दौरान प्रत्येक सोमवार भगवान महाकाल की भव्य सवारी निकलेगी। वहीं प्रत्येक शनिवार सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा, जिसमें देश के प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। प्रशासन ने करीब एक पखवाड़े पहले से ही व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

भीड़ वाले शनिवार, रविवार और सोमवार को कांवड़ यात्रियों को सामान्य दर्शनार्थियों के साथ व्यवस्थित कतारों से दर्शन कराए जाएंगे। महाकाल महालोक में पहले से शुरू की गई नई प्रवेश व्यवस्था को श्रावण में और प्रभावी बनाया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं का आवागमन सुचारु बना रहे।

मंदिर का समय और व्यवस्थाएं एक नजर में....

-30 जुलाई से श्रावण-भाद्रपद महोत्सव की शुरुआत।

-शनिवार की रात करीब 2:30 बजे मंदिर के पट खुलेंगे।

-इसके बाद भगवान महाकाल की भस्म आरती होगी।

-सप्ताह के शेष दिनों में भी तड़के 3 बजे पट खुलेंगे।

-भीड़ को देखते हुए दर्शन और सुरक्षा व्यवस्था अतिरिक्त रूप से तैनात रहेगी।

महाकाल और कालभैरव मंदिर में अवैध वसूली के खिलाफ युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अयोध्या के राम मंदिर में 500 करोड़ रुपये की कथित चोरी और उज्जैन के महाकाल व कालभैरव मंदिर में चल रही अवैध वसूली के विरोध में जिला युवा कांग्रेस ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। उज्जैन जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष अर्पित यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए हनुमान चालीसा का पाठ किया और दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की।

मंदिरों में वसूली को बनाया व्यापार

युवा कांग्रेस अध्यक्ष अर्पित यादव ने आरोप लगाया कि खुद को सनातन धर्म की पार्टी बताने वाली भाजपा के राज में उज्जैन से लेकर अयोध्या तक मंदिरों में भ्रष्टाचार हो रहा है। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर और कालभैरव मंदिर में दर्शनार्थियों से 250 से 500 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। मंदिरों में इस तरह की वसूली को एक व्यापार का रूप दे दिया गया है, जिससे आम लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं।

कलेक्टर और सीएम हाउस के घेराव की चेतावनी- यादव ने कहा कि राम मंदिर में हुई चोरी के मामले में प्रधानमंत्री और अयोध्या प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी के विरोध में युवा कांग्रेस ने हनुमान चालीसा का पाठ किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उज्जैन के मुख्य मंदिरों में यह अवैध वसूली तत्काल बंद नहीं हुई और दोषियों को सजा नहीं मिली, तो इस आंदोलन को मध्य प्रदेश स्तर तक ले जाया जाएगा। आने वाले दिनों में युवा कांग्रेस द्वारा कलेक्टर कार्यालय और मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

बाबा साहब से जुड़े पंच तीर्थ का विकास भाजपा का विनम्र प्रयास - राष्ट्रीय अध्यक्ष आर्य

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा की उज्जैन एवं मंदसौर संभाग की संयुक्त बैठक शनिवार को फ्रीगंज स्थित भाजपा कार्यालय लोकशक्ति भवन में संपन्न हुई। बैठक में मोर्चा के आगामी कार्यक्रमों के लिए विस्तार से कार्ययोजना तैयार की गई।

मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यनारायण खोईवाल ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में मुख्य रूप से मोर्चा के राष्टीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य और प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार सहित मोर्चा के राष्टीय कोषाध्यक्ष श्री सूरज कैरो प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में मोर्चा के वर्तमान कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों के संबंध में रूपरेखा तैयार की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्यसभा सांसद बालयोगी श्री उमेश नाथ जी महाराज, भाजपा जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल, ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल, निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रभुलाल जाटवा, भाजपा जिला प्रभारी श्री बजरंग पुरोहित, हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष श्री ओम जैन आदी।

लायंस क्लब उज्जैन सुर मंदिर का संस्थापन समारोह संपन्न, नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लायंस क्लब उज्जैन सुर मंदिर का संस्थापन समारोह इंदौर रोड स्थित एक निजी होटल में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में नई कार्यकारिणी का विधिवत संस्थापन किया गया तथा क्लब के पदाधिकारियों ने समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व आयुक्त हीरालाल त्रिवेदी तथा संस्थापन अधिकारी एवं पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन बलबीर सिंह साहनी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन संजय सक्सेना उपस्थित रहे। संस्थापन अधिकारी लायन बलबीर सिंह साहनी ने क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन अनिल त्रिवेदी, सचिव लायन प्रेमशंकर जायसवाल, कोषाध्यक्ष लायन मुस्ताक पटेल तथा प्रथम उपाध्यक्ष लायन अरविंद इवांस को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

काल भैरव मंदिर में वीआईपी दर्शन बने कमाई का जरिया

42 दिन में टिकट से 3.09 करोड़ की आय- श्रावण में भी रहेगी व्यवस्था-500 रुपए के शीघ्र दर्शन टिकट की मांग बढ़ी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रसिद्ध कालभैरव मंदिर में शुरू की गई शीघ्र दर्शन टिकट व्यवस्था मंदिर प्रबंधन के लिए आय का बड़ा स्रोत बन गई है। महज 42 दिनों में 500 रुपए के सशुल्क दर्शन टिकटों से मंदिर समिति को 3 करोड़ 9 लाख 42 हजार रुपए की आय हुई है। श्रद्धालुओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने निर्णय लिया है कि श्रावण मास में भी यह व्यवस्था यथावत जारी रहेगी।

महाकाल मंदिर के बाद सबसे अधिक श्रद्धालु कालभैरव मंदिर पहुंचते हैं। भीड़ को व्यवस्थित करने और दर्शन व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से करीब डेढ़ माह पहले शीघ्र दर्शन टिकट योजना लागू की गई थी। इसके तहत 500 रुपए का टिकट लेकर श्रद्धालु गर्भगृह से भगवान कालभैरव के दर्शन कर रहे हैं।

मंदिर प्रशासन के अनुसार, श्रावण मास में श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। इसे देखते हुए मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग कर सामान्य, सशुल्क और प्रोटोकॉल दर्शन के लिए तीन अलग-अलग कतारें बनाई जाएंगी, ताकि भीड़ के बावजूद दर्शन व्यवस्था प्रभावित न हो।

शनिवार और रविवार जैसे अत्यधिक भीड़ वाले दिनों में प्रोटोकॉल श्रेणी के श्रद्धालुओं को सशुल्क दर्शन की सुविधा दी जाती है। वहीं सामान्य दिनों में सीमित संख्या में आम श्रद्धालुओं को भी शीघ्र दर्शन का लाभ मिल रहा है। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि टिकट योजना को श्रद्धालुओं का अच्छा प्रतिसाद मिला है और यही कारण है कि केवल डेढ़ माह में तीन करोड़ रुपए से अधिक की आय दर्ज हुई है। श्रावण मास में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित करने की तैयारी शुरू कर दी है, ताकि श्रद्धालुओं को कम समय में सुगम और सुरक्षित दर्शन कराए जा सकें।

36 घंटे बाद तलाश खत्म... उफनते नाले में बहे सहायक सचिव का शव क्षिप्रा की सहायक चंबल नदी में मिला

एसडीआरएफ की टीम ने कीचड़ और झाड़ियों के बीच फंसा शव निकाला- गुरुवार रात पुलिया पार करते समय तेज बहाव में बह गए थे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लगातार दो दिनों तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद आखिरकार ग्राम पंचायत के सहायक सचिव का शव शनिवार सुबह चंबल नदी में बरामद हो गया। एसडीआरएफ की टीम ने सुबह करीब 10 बजे शव को कीचड़ और झाड़ियों के बीच से बाहर निकाला। गुरुवार रात से लापता सहायक सचिव की तलाश में पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम लगातार जुटी हुई थी।

जानकारी के अनुसार इंगोरिया थाना क्षेत्र के ग्राम गांवदी लोधा पंचायत में पदस्थ सहायक सचिव पुष्पेंद्रसिंह राजपूत गुरुवार रात अपने मित्र कृष्णपाल सिंह के साथ बड़नगर से गांव लौट रहे थे। रात करीब 8 बजे गांवदी लोधा नाले की पुलिया पर तेज बारिश के कारण पानी का बहाव काफी बढ़ गया था। दोनों ने पुलिया पार करने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव में संतुलन बिगड़ने से पुष्पेंद्रसिंह पानी में बह गए।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के समय कुछ लोगों ने उन्हें बहते हुए देखा और तत्काल गांव के लोगों व पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही इंगोरिया थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई तथा रात में ही सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। अंधेरा, तेज बहाव और लगातार बारिश के कारण पूरी रात तलाश के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल सका।

शुक्रवार को भी दिनभर एसडीआरएफ की टीम ने नाले और आसपास के क्षेत्र में सर्च अभियान जारी रखा, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद शनिवार सुबह फिर से अभियान शुरू किया गया। सुबह करीब 10 बजे गांवदी लोधा से कुछ दूरी पर चंबल (चवल) नदी में कीचड़ और झाड़ियों के बीच शव फंसा हुआ दिखाई दिया। एसडीआरएफ के 16 सदस्यीय दल ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। सहायक सचिव के असामयिक निधन से ग्राम पंचायत और ग्रामीणों में गहरा दुख व्याप्त है।

गाय से टकराने के बाद घायल बैंककर्मी ने तोड़ा दम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़कों पर विचरण करते मवेशियों की वजह से लगातार हादसे होना सामने आ रहे हैं। पिछले चार दिनों में हुई दो घटनाओं में घायल बैंक के हेड क्लर्क की उपचार के दौरान इंदौर में मौत हो गई। दूसरे घायल का उपचार चरक अस्पताल में चल रहा है। मकड़ोन के ग्राम नांदेड़ में रहने वाला रामबाबू पिता टेकसिंह 28 साल बाइक से अपनी भाभी संजू भाई को लेने के लिए तराना स्थित तोबरी खेड़ा जा रहा था। तराना स्थित आरा मशीन के सामने बाइक के सामने गए आने पर टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तराना अस्पताल ले जाया गया जहां से हालत चोट होने पर जैन रेफर किया गया। रामबाबू का चरक अस्पताल में उपचार चल रहा है। तराना में हुई घटना से चार दिन पहले उज्जैन के महानंदा नगर में भी इसी तरह का हादसा सामने आया था। आदर्श नगर में रहने वाला तबरेज पिता इकबाल मंसूरी सुबह बाइक से आ रहा था इस दौरान सर्किट हाउस के पास बाइक के सामने गए आ गई। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे निजी अस्पताल ले जाया गया जहां से इंदौर मुंबई अस्पताल रेफर कर दिया गया था। तबरेज भारतीय स्टेट बैंक कनसिया में हेड क्लर्क था। इंदौर में चार दिन चले उपचार के बाद उसकी मौत होने की खबर सामने आई है। शहर के मार्गों के साथ हाईवे पर आए दिन विचरण करते मवेशियों की वजह से हादसे होने की खबरें सामने आ रही है। मवेशी पलकों को प्रशासन और नगर निगम द्वारा पूर्व में हिदायत भी दी जा चुकी है बावजूद इसके मवेशी पलक सुबह से ही अपने मवेशियों को सड़कों पर खुला छोड़ देते हैं। पूर्व में भी कई दुर्घटना के मामले और कुछ लोगों की मौत होना सामने आ चुका है।

जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस पर पौधारोपण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड घट्टिया सेक्टर के आदर्श ग्राम उज्जैनिया में शनिवार को जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर शासकीय हाई स्कूल प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत प्रस्फुटन नर्सरी में तैयार किया गया जामुन के पौधे का रोपण किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्री तेजकरण जी चौहान, विद्यालय की प्राचार्य सुश्री अर्चना जी कुलमी,शासकीय डिस्पेंसरी के चिकित्सक श्री आशुतोष पांचाल,प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष श्री सुमेर सिंह पंवार,सचिव श्री संग्राम सिंह ,व्याख्याता श्री महेंद्र जी वर्मा एवं विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

पत्नी दुकान पर गई थी पति ने लगा ली फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर क्षेत्र में फूल प्रसाद की बेचने वाली महिला दुकान पर गई हुई थी इसी बीच पति ने घर पर फांसी लगा ली। बच्चों ने पिता को देखा तो मां को बुलाया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया है। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि नृसिंहघाट कालोनी में रहने वाले कन्हैयालाल पित मनीराम कहार ने पत्नी की साड़ी का फंदा बनाकर घर में फांसी लगा ली थी। घटना के समय वह घर पर अकेला था। बच्चे शाम को घर पहुंचे तो उन्होंने पिता को पंखे पर लटका हुआ देखा। मां महाकाल मंदिर क्षेत्र में फूल प्रसाद की दुकान पर थी। बच्चों ने दुकान पर पहुंचकर घटना की जानकारी थी। पत्नी घर पहुंची और आसपास के लोगों को बुलाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद कन्हैयालाल की लाश को फंदे से उतर गया। बताया जा रहा है कि मृतक शराब पीने का आदी था। परिजनों ने फांसी लगाने की वजह नहीं बताई लेकिन शराब के नशे में आत्मघाती कदम उठाने की बात कही। पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है।

महिला ने खाया जहर अस्पताल में मौत

भेरूगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम झिरनिया में रहने वाली पेपाबाई पति गणेश लाल प्रजापत 42 साल ने जहर खा लिया था परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान रात में संगीता की मौत हो गई शनिवार सुबह पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों ने संगीता द्वारा उठाए गए कदम के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं किया पुलिस का कहना था कि ससुराल और मायके पक्ष के बयान दर्ज किए जाएंगे।

बिजली के पोल से गिरे कर्मचारी की 2 दिन बाद मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बिजली के पोल पर काम करते समय कर्मचारी को करंट का झटका लग गया था और वह जमीन पर आ गिरा था। परिजनों ने उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया था जहां दो दिन बाद उसकी मौत हो गई। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम किठोदा सांवेर का रहने वाला सुनील पिता चंपालाल सोलंकी 32 साल बिजली विभाग में ऑपरेटर था और ठेकेदारी में काम करता था। 2 दिन पहले पंथपिपलाई में संधारण कार्य के लिए साथी कर्मचारियों के साथ पहुंचा था। पोल पर चढ़कर काम करते समय अचानक रिटर्न करंट आने से उसे झटका लगा और वह जमीन पर आ गिरा। गंभीर घायल होने के साथ करंट से झुलसने पर उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया जहां दो दिन चले उपचार के बाद उसकी रात में मौत हो गई। सूचना मिलने पर मर्ग कायम किया गया है बताया जा रहा है कि बिजली कंपनी में संधारण कार्य का ठेका अंकित बैरागी नामक व्यक्ति द्वारा लिया गया था जिसके माध्यम से संधारण कार्य किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार मृतक का फिलहाल पोस्टमार्टम कराया गया है। जांच के बाद ठेकेदार की कार्यशैली में लापरवाही मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नशा कारोबार पर पुलिस का बड़ा एक्शन ... 22.49 क्विंटल ड्रग्स आग के हवाले

चार जिलों के 117 मामलों में जब्त अवैध मादक पदार्थों का वैज्ञानिक तरीके से किया गया निपटान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नशे के अवैध कारोबार पर उज्जैन रेंज पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए चार जिलों में विभिन्न मामलों से जब्त 22.49 क्विंटल (2249.882 किलोग्राम) अवैध मादक पदार्थों को शुक्रवार को पूरी तरह नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई नागदा के खोर स्थित विक्रम सीमेंट फैक्ट्री में पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी में वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुसार की गई।

दरअसल, जब भी पुलिस किसी मामले में गांजा, अफीम, डोडाचूरा या अन्य मादक पदार्थ जब्त करती है, तो न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट किया जाता है, ताकि वे दोबारा किसी भी रूप में नशे के कारोबार में इस्तेमाल न हो सकें। इसी प्रक्रिया के तहत उज्जैन रेंज के उज्जैन, देवास, शाजापुर और आगर-मालवा जिलों के 117 प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थों का एक साथ निपटान किया गया।

कार्रवाई में सबसे अधिक 1735.925 किलोग्राम मादक पदार्थ आगर-मालवा जिले के मामलों से जब्त थे। इसके अलावा उज्जैन से 367.89 किलोग्राम, देवास से 143.269 किलोग्राम तथा शाजापुर से 2.798 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किए गए।

पूरी प्रक्रिया पुलिस महानिरीक्षक की अध्यक्षता वाली निष्प्रकरण समिति की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान देवास, शाजापुर और उज्जैन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिक अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थों का निपटान सभी वैधानिक और पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए किया गया, जिससे इनके दोबारा दुरुपयोग की कोई संभावना नहीं रहे।

एक नजर बड़ी कार्रवाई पर

-117 मामलों के जब्त मादक पदार्थ नष्ट

-22.49 क्विंटल (2249.882 किलोग्राम) ड्रग्स का निपटान

-उज्जैन: 40 प्रकरण, 367.89 किग्रा

-देवास: 54 प्रकरण, 143.269 किग्रा

-शाजापुर: 4 प्रकरण, 2.798 किग्रा

-आगर-मालवा: 19 प्रकरण, 1735.925 किग्रा

-स्थान: विक्रम सीमेंट फैक्ट्री, खोर (नागदा)

-खास बात: वैज्ञानिक और पर्यावरणीय मानकों के तहत नष्ट कर नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार।

महिला यात्री का मोबाइल चोरी करने वाली महिला पकड़ाई

कैमरों की मदद से जीआरपी-आरपीएफ ने पकड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दाहोद-भोपाल पैसेंजर ट्रेन में चढ़ते समय गुरूवार को महिला यात्री का मोबाइल चोरी करने वाली महिला को जीआरपी-आरपीएफ की टीम से कैमरों की मदद से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार महिला मंगलसूत्र चोरी के मामले में भी संदिग्ध होना सामने आई है।

जीआरपी थाना प्रभारी अमित कुमार भावसार ने बताया कि छत्तीसगढ़ के राजनंदगांव स्थित डोगरगढ़ की रहने वाली बिंदिया पति कृष्णकुमार सोनी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह दाहोद-भोपाल में सवार होने के लिये स्टेशन पहुंची थी। प्लेटफार्म पर ट्रेन में चढ़ते समय भीड़ में उसका सेमसंग कंपनी का मोबाइल अज्ञात बदमाश ने चोरी कर लिया है। मोबाइल चोरी करने वाले का पता लगाने के लिये आरपीएफ निरीक्षक नरेंद्र यादव के साथ समन्वय बनाया और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखना शुरू किये। इस दौरान मोबाइल चोरी करते महिला दिखाई दी। जिसकी धरपकड़ के लिये जीआरपी-आरपीएफ की टीम गठित की गई और तलाश शुरू की गई। कुछ घंटो बाद कैमरों की मदद से रेलवे स्टेशन उज्जैन के आउटर छुमछुम बाबा की दरगाह की तरफ से उक्त महिला को हिरासत में ले लिया गया। जिसके पास से चोरी किया गया मोबाइल बरामद किया गया। गिरफ्त में आई महिला मंजू पति रामाकांत साहनी उम्र 45 साल निवासी ग्राम महेन्द्र नाथ जिला देवरिया उ.प्र. हाल मुकाम रानी सती मंन्दिर के पास प्रकाश नगर नागदा होना सामने आई। जिसके खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। थाना प्रभारी के अनुसार महिला आरोपिया के खिलाफ पूर्व में चोरी का प्रकरण दर्ज होना पाया गया है। यहीं नहीं उक्त महिला मंगलसूत्र-चैन चोरी में संदिग्ध होना सामने आई है। कुछ दिनों पहले सामने आये मंगलसूत्र-चैन चोरी के मामले में प्लेटफार्म पर लगे कैमरों के फुटेज देखे जा रहे थे। जिसमें उक्त महिला संदेही के रूप में दिखाई दी थी, लेकिन उससे पूछताछ में मंगलसूत्र-चैन चोरी का खुलासा नहीं हो पाया।

रामघाट जाने वाले मार्ग पर रिटर्निंग वॉल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करे-कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 महापर्व के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर में विकास कार्यों के साथ मार्गों का चौड़ीकरण कार्य किया जा रहा है। इसी के साथ नगर निगम द्वारा निर्माणाधीन हरसिद्धि की पाल से रामघाट की ओर जाने वाले मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का अवलोकन कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने किया। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि बाबा महाकाल की सवारी के पहले रिटर्निंग वॉल निर्माण कार्य पूरा करें। साथ ही दूसरी ओर से वॉल बनाने का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण कार्य किया जा रहा है। विभिन्न मार्गों के चौड़ीकरण कार्य होने से सिंहस्थ 2028 महापर्व में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के आवागमन में सुविधा होगी। शनिवार को कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ कार्यो के नियमित निरीक्षण के तहत हरसिद्धि पाल से रामघाट तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। नगर निगम द्वारा आगामी सिंहस्थ महापर्व के अंतर्गत मुख्य मार्ग हरसिध्दि पाल से रामघाट चौड़ीकरण कार्य 4 करोड़ 68 लाख की लागत से 15 मीटर चौड़ीकरण किया जा रहा है।

महिदपुर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड महिदपुर द्वारा जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान का शुभारंभ उत्कृष्ट विद्यालय महिदपुर में आम एवं जामुन के पौधे लगाकर किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करना था। ब्लॉक समन्वयक नम्रता तिवारी के नेतृत्व में एवं श्री सुनील कुमार दुबेजी के मुख्य आतिथ्य में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर श्री शोभाराम राठौड़, परीक्षा अधीक्षक श्री राजेश जी कमलकर, एन.सी.सी अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह राठौड़, परामर्शदाता सोनू व्यास, शिवदयाल शर्मा, संजय व्यास, दिलीप सिंह राजपूत सहित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नम्रता तिवारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक यदि अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में कमलेश व्यास द्वारा उपस्थित जनों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।